53rd Year in the Service of Mankind

Bharat Vikas Parishad

March, 2017 No. 03 Vol XXXXXIII

सृष्टि संवत् :1,96,08,53,119 शकसंवत् 1938

फाल्गुन-चैत्र 2073-74 दयानन्दाब्द 193 कलि संवत् 5118

नीति Niti

Mouth piece of Bharat Vikas Parishad with a circulation of 55000

National President

SITARAM PAREEK

MOB.: 09322265975 (MUMBAI)

National Vice President (HQ) & Editor

DR. SURESH CHANDRA GUPTA

MOB. : 09415334709 (FARRUKHABAD)

National Secretary General

AJAY DUTTA

MOB. : 09417016915 (CHANDIGARH)

National Finance Secretary

OM PRAKASH KANOONGO

MOB : 09322295253 (MUMBAI)

National Organising Secretary

SACHINDANAND PANDA

MOB : 09437506798 (BHUBANESWAR)

Chairman Prakashan

ATAM DEV

RESI : 011-27315696 (DELHI)

Sub-Editor

MANOJ AWASHTI

MOB : 09953495747 (GHAZIABAD)

नीति समाचार के लिए केवल -niti@bvpindia.com का प्रयोग करें।

Niti e-paper : This issue is also available on Parishad's website www.bvpindia.com

Published & Printed by Ajay Dutta for BHARAT VIKAS PARISHAD, Bharat Vikas Bhawan, Plot No. MS-14 AD/ BD Block, (Adjoining BD-87), Pitampura, Delhi-110034 Editor : Dr. S.C.Gupta Printed at: BHAWNA PRINTERS, A-26, Naraina Industrial Area, Phase-II, Delhi-110028 Ph.: 9871577322

''जीवन साइकिल चलाने जैसा है। साइकिल को जिस प्रकार संतुलन रखने के लिए आगे चलाते रहना जरूरी है उसी प्रकार जीवन अपने आपको ढूँढने के लिए नहीं। जीवन तो स्वयं को सफल बनाने के लिए है।''

CONTENTS

1. सम्पादकीय / संगठन के झरोखे से 4
2. भारतीय नववर्ष का आगमन 5
3. अन्तर्राष्ट्रीय दिवस पर - नारी का सम्मान 6
4. 'होली' भारतीय हिन्दू समाज का एक प्रमुख त्यौहार 7
5. प्रान्तीय एवं शाखा दायितवधारियों से अपेक्षाएँ 8
6. स्वास्थ्य 9
7. आओ कुछ हंस लें 16
8. बुलेट समाचार 17
9. विविध गतिविधियाँ 19
10. नेत्रदान जागरूकता अभियान 34

विशेष :

1. नारी शक्ति बनाम पारिवारिक गठबंधन, डॉ. बसन्ती हर्ष-पृष्ठ संख्या-14
2. Request to Prantiya & Branch Office Beares-Building brand BVP, Page-15
3. नववर्ष आपके लिए मंगलमय, सुखद एवं कल्याणकारी हो, श्री योगीराज शास्त्री, पृष्ठ संख्या- 18
4. केन्द्रीय वित्त मंत्री, भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट... डॉ. सपना बंसल, पृष्ठ संख्या-30
5. India of My Dreams, Sanjana TD, Page-31

मार्च मास के पर्व

08 : विश्व महिला दिवस
12 : होलिका दहन
13 : होली (धुलेण्डी)
23 : सुखदेव-राजगुरु-भगतसिंह बलिदान दिवस
28 : नव संवत्सर, गुड़ी पड़वा
30 : गणगौर पूजा

Central & Regd. Office:
BHARAT VIKAS BHAWAN
Behind Power House,
Pitam Pura, Delhi -110034
Ph: 011- 27313051, 27316049 Fax: 011-27314515
e-mail : bvp@bvpindia.com, niti@bvpindia.com
website : www.bvpindia.com

Price : Rs. 10.00 Per Copy
Annual Subscription : Rs. 100.00

सम्पादकीय...

भारतीय नववर्ष 2074 हमारा नववर्ष

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा 28 मार्च, 2017 पिछले एक महीने में नव संवत्सर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर इतने लेख पढ़ने को मिले। ऐसा लगा मानो सारा देश नववर्ष के वैश्विक उपाख्यानों में भारतीय कैलेण्डर की ऐतिहासिकता और विश्वसनीयता का कायल हो गया। संसार में पारसी, यहूदी, ईसाई और इस्लाम धर्मों के नववर्ष प्रचलित है परन्तु इनकी काल गणना का आधार धार्मिक उपादान, ऐतिहासिक स्मरण अथवा सांस्कृतिक परिवेश की कुछ घटनाओं के कारण वे तर्क संगत नहीं है। जबकि कलि संवत, सृष्टि संवत, विक्रम संवत तथा भारत में नववर्ष पर मनाए जाने वाले पर्वों की एक सटीक और विश्वसनीय परम्परा है। अनेक पत्रिकाओं ने विश्व में नववर्ष की श्रृख्ला उनका आधार और पर्व के मनाने का विशेष उल्लेख किया। यह भारतीय मनीषा का वैशिष्टय है कि अपना नववर्ष तर्क संगत और मानवीय संस्कारों का उल्लासपूर्ण आयोजन माना जाता है। परन्तु एक प्रश्न कभी-कभी मन को द्रवित कर जाता है। हम श्रेष्ठ संस्कृति के प्रवर्तक, तर्क संगत आयोजनों के निर्माता, क्या हम अपनी विशेषताओं का जश्न उसी तरह मनाते है, उतना ही उत्साह प्रकट करते हैं जितना अपेक्षित है। कभी-कभी किसी त्यौहार को मनाते समय एक सर्द टिप्पणी आह बनकर निकलती है। अब अपने पर्वों में वह उत्साह, उमंग, सामूहिकता और आनन्द नहीं रहा। क्या हो गया। हम भी वहीं हैं, समाज भी वहीं है, तीज त्यौहार भी वहीं हैं आखिर उत्साह कहाँ चला गया। यह हमारे अन्दर है। उत्साह अन्तर्मन का विषय है। नव वर्ष के आयोजन से अन्तर्मन के इस उत्साह को सामूहिकता के साथ प्रकट करें तो हमारे पर्वों में जीवंतता आ जाएगी। इस अंक में नववर्ष मनाने की विधि तथा प्रसंग प्रकाशित किये गये हैं। नववर्ष मनाते समय यदि सुझावों का अनुपालन करेंगे तो नव संवत सार्थक होगा।

प्रौढ साधना शिविर के आयोजन फरवरी मार्च में क्षेत्रीय स्तर पर सम्पन्न हो रहे हैं। शिविर में भाग लेने वाले सदस्यों ने वर्ष भर परिषद् के सेवा कार्यों में क्या सहभागिता की इसका लेखा जोखा भी करना चाहिए। अगले वर्ष अपनी समीक्षा करने और नये प्रौढों को कार्य से जोड़ने का लक्ष्य रखें तभी हम सेवा निवृत्त बन्धुओं को सामाजिक कार्यों में लगा सकेंगे। यह प्रौढ़ साधना शिविर सामूहिक जीवन के अभ्यासों का एक मंच तो है ही, सामाजिक कार्यों में अपनी सक्रियता के संकल्प का समय भी है।

देश के कुछ राज्यों में चुनाव हो रहे हैं। ये चुनाव 2019 के चुनावों की दिशा को निर्धारित करेंगे। दल बदलने की आंधी सभी राजनैतिक दलों में चल रही है। कभी उपेक्षा के कारण, कभी जातीय समीकरण के कारण कभी संसाधनों के अभाव के कारण जिसे चुनावी दंगल में जोर आजमाइश का मौका नहीं मिला तो दल बदल लेना आम बात हो गई है। शराब, पैसों का खेल, नोट बन्दी के बाद सवालों के घेरे में कितनी शराब, कितने करोड़ रुपये चुनाव के इस मौसम में जब्त होंगे। यह देखना भी मजेदार होगा। लोकतंत्र में सीटों की संख्या अथवा गठबन्धन के कारण सरकार तो बनती है पर वह क्या प्रदेश की जनता के मन की सरकार होती है, यह नहीं कहा जा सकता। इस बीच एक अच्छी खबर यह है जनता और संस्थाओं ने अधिकतम मतदान करने के प्रति विश्वास प्रकट किया है। लोकतंत्र की सफलता का यह एक मापदंड है।

संगठन के झरोखे से

फरवरी-मार्च में सभी प्रान्तों के चुनाव सम्पन्न हो रहे हैं। चुनाव के बाद सभी प्रान्तों के चुनाव परिणाम, फोटो तथा विवरण सहित केन्द्रीय कार्यालय को प्रेषित कर दें। नई टीम 2017-19 तक कार्य सम्पन्न करेगी। प्रान्तीय तथा शाखा दायित्वधारियों से अपेक्षा अलग से प्रकाशित की जा रही है। शाखा से केन्द्र तक अनेक पदाधिकारी समन्वय एवं सामंजस्य से कार्य करते हुए परिषद् कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं। हमारे बिना पत्ता नहीं हिलता। कभी-कभी ऐसे वाक्य संगठन की पद्धति और एकरूपता के बारे में सुनने को मिलते हैं। परिषद् नैतिक जीवन मूल्यों पर आधारित एक लोकतंत्रीय संगठन हैं इसमें व्यक्ति के विचार, व्यक्ति का अहम, अथवा व्यक्तिगत सोच का कोई स्थान नहीं है। सामूहिक निर्णय और सामूहिक विमर्श हमारी विशेषता है। अत: सभी पत्तों को स्वेच्छा से काम करने की छूट अपेक्षित है।

प्रकल्प और कार्यक्रम हो या संगठनात्मक दायित्व। मैंने यह काम किया। मेरे परिश्रम से कार्य सफल हुआ। देखों मेरी योजना कितनी समयानुकूल थी। मेरा सुझाव आखिर मान लिया गया। मैं व्यक्ति वाचक होकर काम करता हूँ। परन्तु मैं का भाव अपने मन में स्थिर रखना, संगठन के लिए अनुकूल नहीं है। अत: ''मैं'' नहीं ''हम'' का प्रयोग करें।

विकास और प्रगति मनुष्य का स्वभाव है। मेरी इच्छा है, मेरा संकल्प है, मैं योग्य हूँ, मैं समय दे सकता हूँ, अत: मुझे बड़े दायित्व पर काम करने की अपेक्षा होती है। परन्तु संगठन समाज के प्रबुद्ध और सम्पन्न वर्ग में कार्य करने के कारण सभी को अपेक्षित दायित्व मिलना सम्भव नहीं हो सकता है। परिषद् के कार्य क्षेत्र में अपनी उपयोगिता एवं कार्य का निर्धारण स्वयं करना चाहिए। इससे आत्म संतुष्टि तथा पीड़ित मानवता की सेवा का संतोष अथवा कल के भविष्य बच्चों को संस्कृति से जोड़ने का समाधान हमें प्राप्त हो सकेगा। - नव संवत्सर 2074 पर हार्दिक शुभकामनाएँ। -**सम्पादक**

भारतीय नववर्ष का आगमन

वेद शास्त्रों में बड़े मनोवेग से सबके हित की कामना की गई है। सभी अच्छे रास्तों पर हमें सुख-समृद्धि हासिल हो। जल, थल, समाज और परिवार हर जगह सुख की धारा बहती रहे। वैदिक परम्परा में प्राणीमात्र के लिए सुख शान्ति और समृद्धि की सतत कामना की गई है। आज भी उसी परम्परा में हम मंगल कामना और सुख-शान्ति के लिए एक दूसरे को मुबारकबाद देते हैं।

हिन्दू धर्म में नववर्ष का प्रारंभ चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा में माना गया है। ऐसी मान्यता है कि परम पिता ब्रह्मा ने इसी दिन संसार की रचना प्रारंभ की थी। अत: इसी दिन से विक्रम संवत के नए साल का आरंभ हुआ। इसे गुड़ी पड़वा, उगादि आदि नामों से भारत के अनेक क्षेत्रों में नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। सिंधी धर्म में नववर्ष चेटी चंड उत्सव से शुरू होता है, यह चैत्र शुक्ल द्वितीय को मनाया जाता है। सिंधी मान्यताओं के अनुसार इस दिन उनके कुल देव भगवान झूलेलाल का जन्म हुआ था, जो वरुण देव के अवतार थे।

जैन धर्म में नववर्ष दीपावली के अगले दिन मनाया जाता है। इसे वीरा निर्वाण संवत कहते हैं। पारसी धर्म में नववर्ष नवरोज के रूप में मनाया जाता है। लगभग 3000 वर्ष पूर्व शाह जमशेद ने पारसी धर्म में नवरोज उत्सव मनाने की शुरुआत की थी। पारसी धर्म में इसे प्रतिवर्ष 19 अगस्त को मनाया जाता है। ईसाई धर्म में 1 जनवरी को नववर्ष कनाया जाता है। ईसा पूर्व 45वें वर्ष में जूलियन कैलेण्डर की स्थापना की और उस समय संसार में पहली बार 1 जनवरी को नए वर्ष का उत्सव मनाया गया। तब से अब तक ईसाई धर्म के लोग इसी दिन नया साल मनाते है। इस्लामी धर्म में नया साल मुहर्रम के दिन मनाते हैं इस्लामी कैलेण्डर एक पूर्ण तथा चन्द्र आधारित कैलेण्डर है। पंजाब ने नया साथ बैसाखी नाम से 13 अप्रैल को मनाया जाता है, लेकिन सिख नानक शाही के अनुसार होली के दूसरे दिन से नए साल की शुरूआत मानी जाती है। इन्हीं तिथियों के आसपास बंगाली, तमिल एवं तेलगू भाषी लोग भी नववर्ष मानते हैं। आन्ध्र प्रदेश में इस पर्व को उगादि के रूप में मनाते हैं। उगादि अर्थात् युगादि इसका तात्पर्य है युग का प्रारंभ। तमिलनाडु और केरल राज्यों में नया वर्ष 13 और 14 अप्रैल को मनाया जाता है। तमिलनाडु में पोंगल के नाम से 15 जनवरी के दिन नया साल मनाते हैं। जबकि कश्मीर में 19 मार्च को 'नवरेह' के रूप में नववर्ष मनाते हैं। मारवाड़ी लोग नया साल दीपावली के दिन मनाते हैं जबकि गुजराती नववर्ष दीपावली के दूसरे दिन मनाते हैं। बंगाल में नववर्ष 'पोएला बैसाखी' 14 या 15 अप्रैल का मनाते हैं।

हिन्दू नववर्ष का प्रारंभ हिन्दू पंचांग के अनुसार चैत्र शुक्ल पक्ष की पहली तिथि प्रतिपदा से होता है। इसी दिन से वासंतीय नवरात्रि की भी शुरूआत होती है। विक्रम संवत से हिन्दू नववर्ष का पंचांग माना जाता है। विक्रम संवत से हीं वर्ष में 12 महीने और सप्ताह में सात दिन का चलन प्रारंभ हुआ है। बिहार का नववर्ष भी चैत्र माह में ही मनाया जाता है। लोग एक दूसरे को रंग-गुलाल आदि लगाते हैं। अमीर-गरीब सभी नए कपड़े पहनकर एक-दूसरे के गले मिलते हैं तथा नए साल की बधाई देते हैं। मलयाली समाज में नया वर्ष 'ओणम' के रूप में मनाया जाता है। प्रतिवर्ष इस दिन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। महाराष्ट्र में चैत्र माह की प्रतिपदा को ही नववर्ष मनाया जाता है। इस दिन बांस में नई साड़ी पहनाकर उस पर तांबे या पीतल के लोटे को रखकर गुड़ी बनाई जाती है। इस पर्व को 'गुड़ी पड़वा' भी कहते हैं। उड़ीसा में नए साल का स्वागत करने का तरीका थोड़ा विचित्र है। इस दिन स्वांग नृत्य का आयोजन किया जाता है, जो कि यहाँ की जुआंग जाति करती है। इस नृत्य के लिए युवक व युवतियाँ एक खास तरह के घेरा बनाकर खड़े होते हैं। इस नृत्य के माध्यम से युवा पीढ़ी को प्रकृति के रहस्यों से अवगत कराया जाता है।

नव-संवत्सर के दिन क्या करें -

घर को ध्वजा, पताका, तोरण, बंदनवार, फूलों आदि से सजाएँ व अगरबत्ती, धूप आदि से सुगंधित करें। दिनभर भजन-कीर्तन कर शुभ कार्य करते हुए आनन्दपूर्वक दिन बिताएँ। सभी जीवमात्र तथा प्रकृति के लिए मंगल कामना करें। नीम की पत्तियाँ खाएँ भी और खिलाएँ भी। ब्राह्मण की अर्चना कर लोकहित में प्याऊ स्थापित करें। इस दिन नए वर्ष का पंचांग या भविष्यफल ब्राह्मण के मुख से सुने। इस दिन से दुर्गा सप्तशती या रामायण का नौ-दिवसीय पाठ आरंभ करें। आज से परस्पर कटुता का भाव मिटाकर समतामूलक-भाव स्थापित करने का संकल्प लें।

प्रतिपदा व्रतफल -

चिर सौभाग्य प्राप्त करने की कामना जिनके मन में हो, उन श्रद्धालुओं के लिए यह व्रत अति उत्तम है। इससे वैद्यव्य दोष नष्ट हो जाता है। यह व्रत करने से धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक, व्यावहारिक आदि सभी कार्य बन जाते हैं। इससे वर्षपर्यंत घर में शान्ति एवं समृद्धि बनी रहती है। इस व्रत के करने से दु:ख दरिद्रता का नाश होता है और धन-धान्य की वृद्धि होती है।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

नारी का सम्मान दिवस

भारतीय संस्कृति में नारी को श्रेष्ठ और पूज्य स्थान पर रखा गया है। महिलाओं का अध्ययन, शास्त्रार्थ तथा समाजिक जीवन में परिवार और संस्कारों को प्रदान करने का विशेष कार्य दिया गया था। मध्य काल में विदेशी शासकों के अत्याचारों से समाज को सुरक्षित रखने के लिए सामाजिक व्यवस्थाओं में परिवर्तन हुआ। वर्तमान समय में जब महिलाएँ सभी क्षेत्रों में पुरुषों से बराबरी के स्थान पर खड़ी है। तब ऐसी स्थिति में लिंग आधारित भेदभाव की घटनाएँ सामाजिक जीवन पर कलंक के समान है। स्त्रियों के प्रति अत्याचार, हिंसा, बलात्कार तथा छेड़छाड़ की घटनाएँ कुछ सीमा तक वर्तमान जीवनशैली एवं टी.वी. सिरियल्स के दुष्प्रभाव तथा पहनावे की देन है।

भारत में लड़कियों का जन्म एक बड़ी विसंगति के रूप में माना जाता रहा है। लड़कियों को समाज से दूर घर पर संकुचित परिवेश में रखने की प्रथा भी प्रचलित रही है। शिक्षा का अभाव भी इस समस्या को बढ़ाने में एक प्रमुख कारण रहा। विश्व में महिलाओं को उचित स्थान प्रदान करने के उद्देश्य से विश्व महिला दिवस का प्रचलन शुरू हुआ।

भारत में लिंग भेद की समस्या से उत्पन्न जनसंख्या की लैंगिक संरचना में जो विसंगति उत्पन्न हुई, उस समस्या के समाधान के लिए विशेष प्रयास प्रारंभ किये गये। इनमें घरेलू हिंसा रोकने का कानून, सड़क पर होने वाली हिंसात्मक घटनाओं को रोकने के कड़े प्रावधान, बलात्कार, छेड़छाड़ की घटनाओं के लिए कठोर कानून शामिल किये गये। सामाजिक संस्थाओं और सरकारी प्रयासों से लिंग परीक्षण पर रोक तथा लड़कियों के जन्म पर प्रोत्साहन एवं सामाजिक मान्यता जैसे उपायों से लैंगिक संरचना में प्रभावी परिवर्तन हुआ।

माँ पृथ्वी पर अपने पवित्रतम रूप में मान्यता प्राप्त है। भगवान को भी जब पृथ्वी पर अवतार लेने की आवश्यकता पड़ी तो किसी माँ के गर्भ से उनका जन्म हुआ। वर्तमान परिवेश में उपभोक्तावाद की संस्कृति और औपचारिक संबंधों की शैली ने माँ को माता अथवा परिवार के केन्द्र बिन्दु के रूप में लगभग अस्वीकार कर दिया है। शायद इसलिए नारी के सम्मान पर यक्ष प्रश्न खड़ा है। इस पर गंभीर विमर्श की आवश्यकता है।

एक ओर लैंगिक असमानता और दूसरी ओर संसार के हर क्षेत्र में लड़कियों ने बाजी मारते हुए कुलांचे भरनी शुरु कर दी है। इंजीनियर, विमान चालक, प्रबन्धन, वित्तीय एवं वैज्ञानिक क्षेत्रों में लड़कियों ने काफी पहले ही अपना दबदबा स्थापित कर लिया था। अब तो युद्धक विमानों के संचालन तथा सभी प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं में लड़कियों की भागीदारी के किस्से सुने जा सकते हैं। एथलीट तथा कुश्ती के क्षेत्र में दबदबा बनाकर लड़कियों ने लड़कों से आगे बढ़कर अपनी योग्यता स्थापित की है।

विवाह के पश्चात महिलाओं को एक ओर समाज में अपनी विशेषज्ञता स्थापित करनी होती है। दूसरी ओर परिवार के भविष्य की डोर को एक व्यवस्थित स्वरूप देना होता है। यह महिलाओं की अद्वितीय क्षमता का ही उदाहरण है। पुरुष तो अपने परिवार के आर्थिक उपादानों की पूर्ति में ही लगा रहता है। जबकि महिला उन्हीं सीमित साधनों में अपने बच्चों की परवरिश, सभी संबंधियों से आत्मीयता बनाए रखना, अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वाह करना आदि अनेक दायित्वों का निर्वाह करती है। परिवार के प्रति यही त्याग उसे सम्मान का अधिकारी बनाता है। हमें एक ऐसे समाज का निर्माण करना है जहाँ जाति, रंग, धर्म और लिंग भेदों का किंचित भी स्थान न हो। –**संपादकीय डेस्क**

देहदान व नेत्रदान

लखनऊ महिला (अवध प्रदेश) फूलचन्द अग्रवाल पिता कुमारी कंचन अग्रवाल, शाखा अध्यक्ष का मरणोंपरान्त श्री पवन अग्रवाल की प्रेरणा से नेत्र बैंक लखनऊ को नेत्रदान कराया गया।

रोहतक (हरियाणा दक्षिण) श्री पुनीत जैन का मरणोंपरान्त अशोक कुमार गुप्ता के प्रेरणा से डॉ. राकेश व विकास, शिखा के सहयोग से पी.जी.आई चण्डीगढ़ को नेत्रदान कराया गया।

'होली' भारतीय हिन्दू समाज का एक प्रमुख त्यौहार

भारतीय संस्कृति में त्यौहारों एवं उत्सवों का विशेष महत्व रहा है। यहाँ पर मनाये जाने वाले सभी त्यौहार समाज में मानवीय गुणों को स्थापित करके लोगों में प्रेम, एकता एवं सद्भावना को बढ़ाते हैं। हमारे देश में त्यौहारों एवं उत्सवों का संबंध किसी जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र से न होकर समभाव से है। त्यौहारों के मनाये जाने का उद्देश्य मानवीय गरिमा को समृद्धि प्रदान करना है। यही कारण है कि भारत में मनाये जाने वाले त्यौहारों एवं उत्सवों को सभी धर्मों के लोग सद्भाव के साथ मिलकर मनाते हैं। यह त्यौहार भारतीय समाज का एक प्रमुख त्यौहार है, जिसकी लोग बड़ी उत्सुकता से प्रतीक्षा करते हैं।

होली पर्व को मनाये जाने के पीछे मान्यता है कि प्राचीन काल में हिरण्यकश्यपु नाम का एक अत्यन्त बलशाली एवं घमंडी राक्षस राजा अपने को ईश्वर मानने लगा था। अपने राज्य में ईश्वर का नाम लेने पर पाबंदी लगा दी थी। राजा का पुत्र प्रह्लाद ईश्वर का परम भक्त था। पुत्र की ईश्वरभक्ति से कुद्ध होकर हिरण्यकश्यपु ने उसे अनेक कठोर दंड दिए, परन्तु भक्त प्रह्लाद ने ईश्वर भक्ति का मार्ग नहीं छोड़ा। राजा की बहन होलिका को वरदान प्राप्त था कि वह आग में भस्म नहीं हो सकती। राजा के आदेश पर होलिका ने भक्त प्रह्लाद को अपने गोद में लेकर अग्नि में बैठ गई। आग में होलिका तो जल गई परन्तु ईश्वर भक्त प्रह्लाद बच गये। यह महान पर्व होलिका के दहन तथा भक्त प्रह्लाद की प्रभु भक्ति एवं निष्ठा की याद दिलाता है।

होली को लेकर देश के विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न मान्यताएँ हैं और शायद यही विविधता में एकता, भारतीय संस्कृति का परिचायक भी है। पूर्वोत्तर भारत में होलिका दहन को भगवान कृष्ण द्वारा राक्षसी पूतना के वध से जोड़कर, पूतना दहन के रूप में मनाया जाता है, तो दक्षिण भारत में मान्यता है कि इसी दिन भगवान शिव ने कामदेव को तीसरा नेत्र खोल भस्म कर दिया था और उनकी राख को अपने शरीर पर मल कर नृत्य किया था। तत्पश्चात् कामदेव की पत्नी रति के दुख से द्रवित होकर भगवान शिव ने कामदेव को पुनर्जीवित कर दिया, जिससे प्रसन्न हो कर देवताओं ने रंगों की वर्षा की। इसी कारण होली की पूर्व संध्या पर दक्षिण भारत में अग्नि प्रज्ज्वलित कर उसमें गन्ना, आम की बौर और चन्दन डाला जाता है।

होली जैसे पवित्र त्यौहार के संबंध में सुप्रसिद्ध मुस्लिम पर्यटक अलबरूनी ने अपने ऐतिहासिक यात्रा संस्मरण में होलिकोत्सव का वर्णन किया है। अनेक मुस्लिम कवियों ने अपनी रचनाओं में इस बात का उल्लेख किया है कि होलिकोत्सव केवल हिन्दू ही नहीं मुसलमान लोग भी मनाते हैं। मुगलकाल में होली के किस्से जिज्ञासा जागृत करने वाले हैं। इस काल में अकबर को जोधाबाई के साथ तथा जहाँगीर को नूरजहाँ के साथ होली खेलते हुए तस्वीर दिखाया गया है। इतिहास में वर्णन है कि शाहजहाँ के जमाने में होली को 'ईद-ए-गुलाबी या आब-ए-पाशी' (रंगों की बौछार) कहा जाता था। अंतिम मुगल बादशाह शाह जफर के बारे में प्रसिद्ध है कि होली पर उनके मंत्री उन्हें रंग लगाते थे।

होली भारत के सबसे पुराने पर्वों में से एक है। होली की हर कथा में एक समानता है कि उसमें 'असत्य पर सत्य की विजय' और 'दुराचार पर सदाचार की विजय' का उत्सव मनाने की बात कही गई है। ऐस माना जाता है कि होली के दिन लोग पुरानी कटुता व दुश्मनी को भूलकर एक-दूसरे के गले मिलते हैं और फिर से दोस्त बन जाते हैं। राग-रंग का यह लोकप्रिय पर्व बसंत का संदेशवाहक भी है।

हमारे गौरवशाली प्रकल्प

कोटा भारत विकास परिषद् चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र

वर्ष 1995 में स्थापित तथा मुख्य संरक्षक पूज्य स्वामी सत्यमित्रानन्द गिरि जी महाराज के परम आशीर्वाद से विकसित भारत विकास परिषद् चिकित्सालय कोटा केवल राजस्थान दक्षिण पूर्व प्रान्त ही नहीं वरन पूरे राजस्थान में एक प्रतिष्ठित चिकित्सालय केन्द्र के रूप में विकसित हुआ। समय-समय पर हुए क्रमिक विकास में मेडिसिन, सर्जरी, हृदय रोग, न्यूरोलॉजी, स्त्रीरोग, नाक, कान, गला, अस्थमा रोग, दन्त रोग आदि विभागों के कारण चिकित्सालय की लोकप्रियता में वृद्धि हुई। ब्लड बैंक की स्थापना तथा भविष्य मे कैंसर इन्स्टिटयूट की योजना विचाराधीन है। 2016 के राष्ट्रीय अधिवेशन अजमेर में प्रस्तुत वृत्त के परिप्रेक्ष्य में वर्तमान समय में 65 डॉक्टर, 400 कर्मचारी कार्यरत हैं। ब्लड बैंक में 20114 में 3600 यूनिट तथा 2015 में 6000 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। हृदय रोग के लिए 6349 एन्जियोग्राफी, 757 इन्जियोप्लास्टी, 476 पेसमेकर, 25500 नेत्र ऑपरेशन, वाह्य रोगी 160000, चिकित्सा जांच 174000, एक्सरे 74000, गरीबों को चिकित्सकीय सहायता 50 लाख रुपये वार्षिक टर्न ओवर 25 करोड़ रुपया है। क्षेत्र में एक लाख से अधिक कैंसर पीड़ित रोगियों के लिए 400 करोड़ के कैंसर इन्स्टियूट की योजना प्रगति पर है। संस्थान में प्रथक कैम्पस में नर्सिंग डिप्लोमा, बी.एस.सी. नर्सिंग डिग्री तथा कई प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। -**श्याम शर्मा,** कोटा

भारत विकास परिषद्

प्रान्तीय एवं शाखा दायित्वधारियों से अपेक्षाएँ –

अप्रैल, 2017 से परिषद् का नया सत्र प्रारंभ हो रहा है। प्रान्तीय तथा शाखा स्तरीय दायित्वधारी अपना कार्यभार संभाल कर कार्य करना प्रारंभ करेंगे। टीम के दायित्वधारियों के कर्तव्यबोध कराने के लिए कुछ निर्देश दिये जा रहे हैं। आशा है कि इनका अनुपालन कर परिषद् कार्यों के आगे बढ़ाने में आपका सहयोग प्राप्त होगा।

प्रान्तीय दायित्वधारियों के लिए –

1. केन्द्रीय निर्देशों का पालन करना तथा शाखाओं को दिशा निर्देश देना।
2. केन्द्रीय प्रपत्रों के आधार पर वार्षिक लक्ष्य (अप्रैल) प्रान्तीय आख्या (अप्रैल-सितम्बर) प्रान्तीय आख्या (अप्रैल-दिसम्बर) तथा प्रान्तीय आख्या (अप्रैल-मार्च) के लिए प्रेषित करना। यह प्रपत्र संयुक्त महामंत्री, केन्द्रीय कार्यालय, मीडिया सेल को प्रेषित किये जाए।
3. प्रान्तीय कार्यक्रमों – कार्यशाला, काउन्सिल बैठक, समूहगान, भारत को जानो, महिला सम्मेलन आदि का उपयुक्त समय पर आयोजन सम्पन्न करना।
4. रीजनल कार्यशाला, प्रौढ़ साधना शिविर, आदि कार्यक्रमों में भागीदारी।
5. राष्ट्रीय काउन्सिल की बैठक में भागीदारी।
6. स्थायी प्रकल्पों की सूची तैयार कर केन्द्रीय कार्यालय को प्रेषित करना।
7. शाखा विस्तार, विशेषकर शाखा विहीन जिलों में शाखा स्थापना करना।
8. शाखाओं का संबद्धता शुल्क रुपये 150/- प्रति शाखा भेजकर शाखा संबद्धता प्रमाण पत्र प्राप्त करना।
9. शाखा के सदस्यों की कम्प्यूटरीकृत सूची प्रान्तीय तथा केन्द्रीय अंश रुपये 400/- प्रति सदस्य प्राप्त करना तथा केन्द्र अंश रुपये 200/- प्रति सदस्य केन्द्र को प्रेषित करना।
10. प्रान्तीय कार्यक्रमों के समाचार, फोटो, नीति, मीडिया सेल, केन्द्रीय कार्यालय को भेजना।
11. प्रान्तीय ई-मेल का पता तथा नशा मुक्त भारत या बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ पैड पर अंकित करना।
12. यथा शीघ्र पुरानी टीम द्वारा प्रान्त का ऑडिट अकाउण्ट, आय व्यय विवरण, बैलेंस शीट तथा इटको प्रेषित करना।

शाखा दायित्वधारियों के लिए निर्देश –

1. दायित्व ग्रहण करना शाखा वार्षिक कैलेण्डर तैयार करना।
2. शुल्क रुपये 200/- प्रति सदस्य प्रान्त, रुपये 200/- प्रति सदस्य केन्द्र तथा संबद्धता शुल्क रुपये 150/- प्रान्त को प्रेषित करना।
3. प्रकल्प के प्रभारी नियुक्त कर कार्यक्रमों का संचालन करना।
4. नये लोगों को जोड़ना तथा प्रकल्पों के द्वारा सामाजिक परिवर्तन का प्रयास करना।
5. प्रान्तीय, जिला बैठकों में भाग लेना। प्रान्तीय अधिकारियों को निमंत्रण करना।
6. रीजन अथवा केन्द्र के अधिकारियों को प्रान्त के माध्यम से निमंत्रण करना।
7. सदस्यों की आत्मीयता के लिए कार्यक्रम परिवार मिलन, परिवार सम्मेलन, संस्कार के लिए स्कूलों में कार्यक्रम, सेवा के लिए चिकित्सा शिविर, विकलांग शिविर, निर्धन परिवारों को सहायता आदि प्रदान करना।

केन्द्रीय ई-मेल – bvp@bvpindia.com

मीडिया सेल ई-मेल – centralmedia@bvpindia.com

फेसबुक – Bharat Vikas Parishad - Headquarters

नीति समाचार के लिए केवल – niti@bvpindia.com का प्रयोग करें।

रामगंज मंण्डी, राजस्थान दक्षिण पूर्व : भारत विकास परिषद् एवं जिला अंधता निवारण समिति द्वारा विशाल नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 1960 रोगियों की नेत्र जांच की गई। 468 रोगियों को आपरेशन के लिए भेजा गया। परिषद् के चिकित्सालय में आपरेशन सम्पन्न किये गये। डॉ. सुरेश छाबड़ा की टीम ने ऑपरेशन सम्पन्न किये। नेमीचन्द, गीता देवी अग्रवाल और रामचन्द्र, दिनेश कुमार रेडिवाल के सौजन्य से शिविर आयोजित किया गया। 32 नाखूना के रोगियों का ऑपरेशन कोटा चिकित्सालय में किया गया। सभी मरीजों तथा परिजनों को नि:शुल्क भोजन, जलपान दिया गया। संजय विजावत उपाध्यक्ष के साथ सदस्यों ने व्यवस्था संभाली।

बारां : नि:शुल्क नेत्र जांच एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन गोती महल अस्पताल रोड पर किया गया। शाखा अध्यक्ष हरिओम अग्रवाल ने बताया कि शिविर में कोटा के डॉक्टरों की टीम द्वारा जांच कर चयनित मरीजों को कोटा ले जाया जाएगा। लैंस प्रत्यारोपण के पश्चात पुन: बारां लाया जाएगा। संपूर्ण व्यवस्था नि:शुल्क होगी। दिनेश गर्ग, विनोद जैन, राकेश शर्मा, राजेश मित्तल आदि का भरपूर सहयोग रहा।

गुरु रामसिंह कूका का बलिदान

17 जनवरी, 1872 को ग्राम जमालपुर (मलेरकोटला, पंजाब) के मैदान में भारी भीड़ जमा थी। 50 गोभक्त एक-एक कर लाये गये, उनके हाथपीछे बंधे थे। इन्हें मृत्यु दण्ड दिया जाना था। सभी सद्गुरु रामसिंह कूका के भक्त थे।

अंग्रेज जिलाधीश कोवन ने इनके मुँह पर काला कपड़ा बांध कर पीठ पर गोली मारने का आदेश दिया था। पर सबने कपड़ा बंधवाने और पीठ पर गोली खाने से मना कर दिया। तब मैदान में एक तोप लगाई गई। इन वीरों को समूहों में लाकर तोप के गोले से उड़ा दिया गया। अंग्रेजों की दहशत बैठ रही थी। 50 वें नम्बर पर एक 12 साल का बालक था। कोवन की पत्नी का दिल पसीज गया। उसने बिशन सिंह को माफ करने को कहा। कोवन ने बिशन सिंह के सामने रामसिंह को गाली देते हुए कहा कि उस धूर्त का साथ छोड़ दो तो तुम्हें माफ किया जा सकता है। बिशन सिंह क्रोध से जल उठा। उसने उछल कर कोवन की दाढ़ी पकड़ ली और बुरी तरह से खींचने लगा। कोवन जमीन पर गिर गया। बिशन सिंह के हाथ काट दिये और गोली मार दी। इस प्रकार 50 कूका वीरों का बलिदान हुआ।

छीपाबड़ोद : हर माह की भांति नि:शुल्क नेत्र जाच एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया। कुल 937 मरीजों की जांच कर नि:शुल्क दवाईयों का वितरण किया गया। 110 मोतियाबिन्द ऑपरेशन योगय व्यक्तियों को चिन्हित कर डी.डी.नेत्र सेवा फाउडेशन कोटा भेजा गया। महेन्द्र नागर, अध्यक्ष, धीरज बाठला, सुरेश अदलक्खा आदि की भूमिका व सहयोग अग्रणी रहा। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया। कुल 129 रक्तदाताओं द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान किया गया।

हिण्डौन सिटी, राजस्थान पूर्व : शाखा द्वारा 25वें स्वैच्छिक रक्तदान 15 जनवरी, 2017 को राजकीय अस्पताल मोहन नगर में किया गया जिसमें 220 यूनिट रक्तदान हुआ। मुख्य अतिथि पुलिस उपाधीक्षक ज्ञान प्रकाश नवल तथा नगर परिषद् सभापति अरविन्द जैन ने परिषद् द्वारा रक्तदान शिविरों के आयोजन तथा जागरूकता अभियान की सराहना की। मनीष चौधरी, 25 बार रक्तदाता के साथ-साथ मनीष आर्य, अनिल गोयल, डॉ. पूजा सिंघल, डॉ. बृजेश चौधरी आदि की मुख्य भूमिका रही।

हम्मीर, सवाईमाधोपुर : शाखा ने सोरती बाजार, धर्मशाला में एक विशाल नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जिसमें 350 रोगियों ने जांच कराई तथा 110 रोगियों को नेत्र शल्य चिकित्सा हेतु रेफर किया गया। इस अवसर पर दिनेश गर्ग, प्रान्तीय महासचिव, विमला शर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष, निर्मल जैन, शिवम् सिंघल आदि उपस्थित रहे।

बाडमेर, राजस्थान पश्चिम : परिषद् एवं जन कल्याण समिति के तत्वावधान में त्रिमूर्ति प्राकृतिक उपचार प्रशिक्षण एवं

शोध संस्थान द्वारा एक्यूप्रेशर एवं सुजोक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। अध्यक्ष ओम प्रकाश मेहता ने कहा कि बिना दवाई शिविर में इलाज किया जाएगा। शिविर में दमा, कब्ज, गैस, लकवा, शुगर, माइग्रेन, पथरी, ल्यूकेरिया, बवासीर, बीपी, कमर दर्द, सायटिका, सरवाइकल पेन का उपचार किया गया।

सांचौर : ट्रस्ट द्वारा संचालित अस्पताल में 1105 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा गेरीबेन सिरेमल बुरड़ परिवार के सौजन्य से नि:शुल्क दवाइयाँ दी गई। फिजियोथेरेपी सेन्टर पर 564 मरीजों ने सेवा ली। 29 दिव्यांगों को सहायता दी गई।

वीर बालक हकीकत राय का बलिदान

मुगल बादशाह मुहम्मद शाह रंगीला के शासन काल में सेठ भागमल का बेटा हकीकत राय मदरसे में पढ़ता था। पढ़ते समय कुछ साथियों से विवाद हो गया। अनवर और रशीद ने माँ भवानी के लिए अपशब्दों का प्रयोग कर दिया। बालक हकीकत ने उन्हें कहा कि तुम्हारी फातिमा बी को गाली दी जाए तो तुम्हें कैसा लगेगा। अनवर ने शिकायत मौलवी से कर दी कि हकीकत ने फातिमा को गाली दी है। मौलवी ने हकीकत से माफ़ी मांगने को कहा। परन्तु वीर बालक हकीकत राय ने जबाव दिया कि जब उसने कोई गलती नहीं की है तो माफ़ी कैसी। इस पर अनवर उसे पकड़ कर काजी के पास ले गये। काजी ने कहा कि गलती मान ले या इस्लाम धर्म कबूल कर ले। हकीकत ने काजी से भी कह दिया कि न वह माफ़ी मांगेगा और न ही इस्लाम कबूल करेगा। पिता भागमल ने काजी से बड़ी मिन्नते की कि बालक को माफ़ करे दें। भागमल ने लाहौर के हाकिम से गुहार लगाई। लेकिन कोई हल नहीं निकला और हाकिम ने भी इस्लाम कबूल करने की शर्त रखी। पिता ने उससे इस्लाम कबूल करने को कहा तो उसने दृढ़तापूर्वक मना कर दिया। हाकिम ने हकीकत राय को सजाए मौत दी। जल्लादों ने वीर बालक का सिर कलम कर दिया। वह दिन बसंत पंचमी का दिन था। वीर हकीकत राय के बलिदान से बसंत पंचमी पर नया रंग चढ़ गया। – **साभार पाथेय कण**।

युवा अजमेर, राजस्थान मध्य : 15 जनवरी को स्थानीय मित्तल हौस्पिटल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। अवसर था मकर संक्रान्ति तथा स्वामी विवेकानन्द जयन्ती। निखिल शाह, अध्यक्ष ने बताया कि कुल 87 यूनिट रक्तदान हुआ जिसमें महिलाओं ने प्रमुख भूमिका निभाई। आशीष गार्गिया, सचिव, लक्ष्मी शाह, राधाा गार्गिया, पारूल मेहरा, अर्पिता, तनु दीपिता, नीतू पालीवाल का विशेष योगदान रहा।

अजमेर : शाखा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन गगवाना स्थित सेन्ट विलफ्रेड इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एवं टैक्नोलॉजी में किया गया। कुल 51 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। शिविर संयोजक सुनील गोयल ने सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र बांटे। डॉ. प्रिया ने सभी रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया। सुश्री नेहा का योगदान सराहनीय रहा।

सीकर, राजस्थान उत्तर पूर्व : शाखा द्वारा कटराथल में विशाल नि:शुल्क मल्टी स्पेशियलिटी चिकित्सा जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। कुल 470 मरीजों ने परिषद् के इस सेवा कार्य का लाभ लिया। शिविर आयोजन की मुख्य भूमिका में प्रकल्प प्रमुख महेन्द्र शर्मा एवं सह प्रकल्प प्रमुख राजेश सैनी रहे।

गुरसहायगंज, ब्रह्मावर्त : शाखा द्वारा कैंसर निदान एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया। ग्वालियर के कैंसर संस्था की टीम ने 205 मरीजों का परीक्षण किया। 60 मरीजों को चिन्हित किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. ए.पी.सिंह यादव ने शिविर में भागीदारी के लिए मरीजों को धन्यवाद दिया। ग्वालियर के डॉ. रवीन्द्र जैन, ओमेन्द्र भूषण, डॉ. मीना दीवान की टीम ने व्याप्सी तथा टेस्टिंग नि:शुल्क की। शाखा अध्यक्ष राजेश गुप्ता तथा सचिव ज्ञानेन्द्र गुप्ता ने व्यवस्था संभाली।

हिन्दवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिविाजी महाराज की विशालकाय मूर्ति (192 मी.) एवं स्मारक का निर्माण लगभग 3600 करोड़ की लागत से मुम्बई के अरब सागर में लगभग 1.5 किलोमीटर अन्दर (192 मीटर) किया जायेगा। 32 एकड़ की शिला पर निर्मित तथा स्मारक पर एक साथ 10,000 पर्यटकों को भ्रमण के साथ मंदिर, पुस्तकालय, खुला रंगमंच, फूड कोर्ट आदि सुविधाएँ होंगी। मूर्ति का डिजायन शिल्पकार पद्मभूषण राम सूरत कर रहे हैं। उन्होंने स्टेचू ऑफ यनिटि की सरदार पटेल की मूर्ति का डिजायन किया थां यह मूर्ति न्यूयार्क की स्टेचू ऑफ लिवर्टी (93 मीटर) से काफी ऊँची है।

समर्पण जसवंन्त नगर, इटावा : शाखा द्वारा स्वास्थ्य शिविर में डॉक्टरों की कुशल टीम ने मरीजों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण तथा दवा वितरण किया। न्यू सिधी मेडिकल हॉल में आयोजित शिविर में डॉ. डी.के. सिंह (बाल रोग), डॉ. जावेद खान (हड्डी रोग),

डॉ. विशाल (त्वचा रोग), डॉ. अंकुर (हृदय रोग), डॉ. सपना (स्त्री रोग), डॉ. संदीप (मनोरोग) डॉ. योगेन्द्र सलानी (सर्जन), डॉ. जितेन्द्र सिंह की टीम ने रोंगो से बचने के उपाय, स्वास्थ्य रहने के उपाय तथा आहार संतुलन के बारे में जानकारी दी। अध्यक्ष धर्म प्रकाश जैन की टीम ने व्यवस्था संभाली। 273 मरीजों का परीक्षण तथा जांच किये गये।

फिरोजाबाद, ब्रज प्रदेश : शाखा द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कृष्ण मुरारी लाल अग्रवाल, प्रान्तीय उपाध्यक्ष ने परिषद् के पाँच सूत्रों का संदर्भ देते हुए इस अवसर के आयोजन को समाज के जन उपयोगी बताया। अनूप गुप्ता ने शाखा की महिलाओं के सहयोग व सहभागिता अनुकरणीय है। मोनिका, प्रियंका, प्रीति, दीप्ति सहित गौरव, शैलेष, नवीन आदि प्रमुख भूमिका में रहे।

पूजा करने का ढंग

भगवान श्रीकृष्ण की पत्नी सत्यभामा के मन में विचार आया कि भगवान कृष्ण को अपने आभूषणों से तौला जाए। यह बात सुनकर कृष्ण मुस्कराए। सत्यभामा ने कृष्ण को एक पलड़े में बिठा दिया और दूसरे पलड़े में अपने गहने रखने लगी। लेकिन श्री कृष्ण का पलड़ा भारी ही रहा। सारे गहने रखने के बाद भी भगवान का पलड़ा नहीं उठा तो वह हार कर बैठ गई। तभी रूकमणि वहाँ आ गई। सत्यभामा ने उन्हें सारी बात बताई। रूकमणि तुरन्त पूजा का समान ले आई। उसने भगवान की पूजा की। जिस पात्र में भगवान का चरणोदक था वह पात्र को गहनों के पलड़े में रख दिया। भगवान का पलड़ा ऊपर उठ गया। सत्यभामा को बड़ा आश्चर्य हुआ। तभी वहाँ नारद मुनि आ गये। उन्होंने समझाया है कि भगवान की पूजा में गहनों का महत्व नहीं, भावना का महत्व होता है। भक्ति और प्रेम से भारी कोई वस्तु नहीं है। सत्यभामा उनकी बात समझ गई। आप समझे क्या? – दिव्य वैदिक संदेश

समृद्धि मुजफ्फरनगर, हस्तिनापुर : मासिक बहुचिकित्सीय जांच शिविर गाँधी कॉलोनी स्थित सनातन धर्म कन्या पाठशाला इण्टर कॉलेज में लगाया गया। शिविर में 360 बच्चे व 40 शिक्षिकाएँ लाभान्वित हुई। शिविर में नेत्र, दन्त, रक्त जांच व होम्योपैथी आदि सुविधाएँ उपलब्ध रहीं।

घरौंडा, हरियाणा उत्तर : शाखा द्वारा किये जा रहे सामाजिक सेवा कार्यों की प्रशंसा प्रान्तीय अध्यक्ष एम.पी.गुप्ता ने की। शाखा ने बॉडी फ्रीजर जनता को समर्पित किया साथ ही नेत्रदान करने की अपील की। शाखा द्वारा फिजियोथेरेपी केन्द्र पर विधायक हरविन्दर कल्याण के सहयोग से लगी मशीनों का अनावरण प्रान्तीय अध्यक्ष एम.पी.गुप्ता, के.के. खुराना, जोगेन्द्र मदान के द्वारा सम्पन्न हुआ। लागवेब, लेजर, डिजिटल मशीन, डिजिटल IFT, अल्ट्रासोनिक, डिजिटल TENS तथा मसल साइमुलेटर मशीनों का अनावरण किया। इस अवसर पर अध्यक्ष धीरज भाटिया, नरेन्द्र राणा आदि उपस्थित रहे। बेटियों का मान बढ़ाने के लिए लड़की के जन्म पर थाली बजाकर आनन्दोत्सव मनाया गया तथा बच्ची को उपहार दिये गये। श्रीमती महिन्द्रा चौहान मुख्य अतिथि रहीं। श्री हरि हॉस्पिटल के सहयोग से नेत्र परीक्षण किया तथा नि:शुल्क दवाईयाँ दी गई।

स्वामी विवेकानन्द की सफलता में महिलाओं का योगदान।

ग्रीक साहित्य के विद्वान जान राइट की धर्म पत्नी श्रीमती मेरी राइट स्वामी जी की बड़ी प्रशंसिका थी। उन्हें स्वामी जी के आतिथ्य का अवसर प्राप्त हुआ था। इसका पूरा लाभ उन्होंने कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर प्राप्त किया। एक उच्च शिक्षा सम्पन्न मेरी राइट का कहना था मैंने ऐसा अद्‌भुत व्यक्तित्व पहले कभी नहीं देखा था। वे दिनभर उनसे बाते करती थी। रात होने तक बाते समाप्त नहीं होती थी। धर्म चर्चा के विषय पर राइट ने पहले इतनी उदार व्याख्या सुनने का अवसर कभी नहीं मिला था। वे हमारे बच्चों के साथ आत्मीय हो गये थे। अपनी छड़ी नचाकर उनका खूब मनोरंजन करते थे। मेरी राइट केवल मेजवान ही नहीं थी। उन्होंने स्वामी जी के लिए कई कार्यक्रमों का संयोजन भी किया था। –**प्रो. बैकटेश**, बेगूसराय

भगत सिंह-रोहतक, हरियाणा दक्षिण : तीसरा नि:शुल्क दन्त चिकित्सा शिविर वैश्य बायस् सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल रोहतक में आयोजित किया गया। इसमें लगभग 1500 बच्चों के दांतों की जांच की गई। बच्चों को दांतों की बीमारियों से बचाव के गुण एक फिल्म द्वारा समझाए गये।

देवास, मध्य भारत पश्चिम : भारत विकास परिषद् देवास द्वारा महिलाओं के लिए 'स्वास्थ्य कार्यशाला' का आयोजन एडमायर एकेडमी स्कूल में किया गया। देवास की प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. प्राची माहेश्वरी एवं इन्दौर से आई आयुवैदिक फिजीशियन डॉ. वीना नाईक ने आसान शब्दों में आयुर्वेद का महिलाओं के जीवन में महत्व समझाया। डॉ. प्राची ने 'बचपन से पचपन' की स्त्री

रोग एवं समस्याओं तथा उनके समाधान की आसान भाषा में जानकारी दी। महिलाओं के इस कार्यक्रम के आयोजन में प्रमुख भूमिका निशा सोमानी, रचना तलाटी, सचिव तथा प्रकृति बाठिया ने निभाई।

वीर तात्याटोपे (शिवपुरी), मध्य भारत उत्तर : शाखा द्वारा आदिवासी बस्ती नीम डाडा के सभी परिवारों को गर्म वस्त्र तथा कम्बल दिये गये। बच्चों को गर्म वस्त्र स्वेटर, जर्सी दी गई। चिकित्सक डॉ. बीजेन्द्र गुप्ता ने 103 मरीजों का परीक्षण किया तथा नि:शुल्क दवाईयाँ दी। आदिवासी महिला, पुरुष व बच्चों को स्वास्थ्य के बारे में बताया। स्वामी विवेकानन्द जयन्ती, मकर संक्रान्ति पर खिचड़ी वितरण तथा गणतंत्र दिवस मनाया गया। वन्दे मातरम् के लक्की ड्रा विजेता श्रीमती प्रीति गोयल, सतीश मंगल तथा पारूल खण्डेलवाल रहे।

वाराणसी, काशी प्रदेश : धोती कुर्ता में खेला गया क्रिकेट। संस्कृत में कमेन्ट्री। इदानीं याष्टिक्रीड़ा आरक्येत (अब क्रिकेट शुरू होता है) कंदुकम् सीमापारं गतम् (गेंद बाउन्ड्री के बाहर गई) चतुष्कम् (चौका) षट्कम (छक्का)। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में ऐसे ही क्रिकेट मैच चला। धोती कुर्ता और कमर में दुपट्टा, संस्कृत में ही वार्तालाप। खिलाड़ियों के माथे पर तिलक। संस्कृत कमेन्ट्री सुनकर भीड़ जुटने लगर। कई खिलाडियों ने दौड़ने में बाधा न हो तो धोती को खुंटिया लिया, कमर तक कर लिया। कई खिलाड़ी नंगे पैर मैदान में जमे रहे। संस्कृत महाविद्यालयों की एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में सौ फीसदी मतदान का आह्वान किया गया। काशी विद्या मंदिर के बटुकों ने ट्रॉफी जीतकर चन्द्रमौलि विद्या संस्थान को खूब छकाया।

अलकनन्दा, दिल्ली दक्षिण : शाखा द्वारा विकलांग शिविर के द्वारा 20 विकलांगों को बाकर, कमोड तथा सुनने की मशीन प्रदान की गई। 6 विकलांगों को ट्राइसाइकिल, 6 कमोड चेयर, 3 कृत्रिम पैर, 7 बाकर, वैशाखी आदि प्रदान की गई। मीना, शान्ति, देवसना, मुनेश शान्ति देवी को सिलाई मशीन दी गई। शंकर और दिलीप को चाय की दूकान के वर्तन तथा गैस कनेक्शन प्रदान किये गये। इस अवसर पर एम्स के बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. डी.के. गुप्ता ने समर्पण भावना की प्रशंसा की। परिषद् के समर्पित लोगों का एक समूह बताते हुए उन्होंने सेवा निवृति के बाद सप्ताह में एक दिन सेवा के लिए देने का संकल्प लिया। जरूरतमंदों को सहायता सामग्री देने के साथ जागरूकता की भी आवश्यकता है। 6 बच्चों को स्कूल फीस की राशि रुपये 5000 /–प्रति को चेक प्रदान किये गये। इस अवसर पर श्रीमती ..... ने परिषद् के सेवा एवं संस्कार के कार्यों की तारीफ की। श्रीमती शशि आजाद, राष्ट्रीय मंत्री, शाखा अध्यक्ष व सचिव के साथ द्वारका, गोविन्दपुरी आदि शाखाओं के सदस्य भी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार वधवा ने परिषद् के 16 विकलांग केन्द्रों तथा 1300 स्थाई प्रकल्पों की जानकारी दी।

स्वामी विवेकानन्द, रोहिणी, दिल्ली उत्तर : शाखा द्वारा सेक्टर–3 के सनातन धर्म मंदिर के हॉल में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर डॉ. दीपक कुमार की देखरेख में 15 जनवरी को लगाया गया। शिविर में मुख्य अतिर्थि श्री संजीव मिगलानी, सुभाष गुप्ता, रमेश राठी, सरजीत कुमार सहित दधीची देहदान, पंजाबी समाज एवं मंदिर संचालाके ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

Karimganj, Assam : The branch organized a free Cataract detection cum operation camp at Budhan ME, School Miviabazar. About 230 patients were checked up and 41 were selected for operation at Peon's Eye Hospital Silchar. Dr.Jhalak Debroy checked the patients. The camp was sponsored by Ashok Deb in the memory of his father late Anil Chandra Deb.

महिला सम्मेलन

दिल्ली दक्षिण प्रान्त : प्रान्तीय महिला सम्मेलन आर्य समाज ग्रेटर कैलाश– के सभागार में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में समाज सेविका श्रीमती अंशू पाठक ने वर्तमान समय में नारी पर हो रहे अत्याचारों, यौन शोषण और काम करने वाली महिलाओं पर हो रहे उत्पीड़न का वर्णन किया। उन्होंने उपलब्ध न्यायिक प्रक्रिया और कानूनों का भी हवाला दिया। कवियत्रि डॉ. सरोजनी प्रीतम, आयकर अधिकारी डॉ. नमिता राकेश तथा महिला सशक्तिकरण महासंघ की चेयरपर्सन डॉ. शविस्ता गफ्कार ने बेटी बचाओ के अन्तर्गत महिला जागरूकता का जिक्र करते हुए कहा कि लड़कियाँ अब आसमान को छूने को तत्पर हैं उन्हें सामाजिक सुरक्षा और संरक्षण की आवश्यकता है। डी.ए.वी. स्कूल के छात्रों की टीम ने बेटी बचाओ पर प्रभावी स्क्रिपट प्रस्तुत की। श्रीमती अंजम मेहरोत्रा के कुशल संचालन में श्रीमती शशि आजाद, श्रीमती प्रोमिला ग्रोवर तथा प्रान्तीय टीम ने व्यवस्था संभाली। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र कुमार वधवा, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री विनीत गर्ग ने परिषद् के महिला जागरूकता के आयामों का विस्तार से उल्लेख किया। बसंत पंचमी के पर्व पर आयोजित सम्मेलन में महिलाओं ने पीले रंग के वस्त्रों का परिधान आकर्षण का केन्द्र रहा।

अष्टावक्र

अपने पिता कहोड़ ऋषि का शाप होने के कारण अष्टावक्र पुत्र के रूप में एक विद्रूप बालक के रूप में पैदा हुआ। परन्तु उसके जन्म से पूर्व कहोड़ ऋषि को राजा जनक की सभा में शास्त्रार्थ में हार जाने के कारण जल में डुबो दिया गया था। अष्टावक्र को बड़े होने पता चला कि उनके पिता धन प्राप्ति के लिए राजा जनक की सभा में शास्त्रार्थ करने गये थे। जहाँ बन्दी नामक पंडित ने यह शर्त रखी थी कि जो हारेगा उसे जल में डुबो दिया दिया जाएगा। अनेक पंडित शास्त्रार्थ में हार गये थे उन्हें जल में डुबो दिया गया। कहोड़ ऋषि उनमें से एक थे। अष्टावक्र ने अपने पिता का बदला लेने का निश्चय किया। उसने यह नहीं कहा कि अच्छा हुआ मर गया। अपने किये का फल पा गया। वह बाप कहलाने लायक नहीं था। आजकल का कोई जीनियस होता तो दरवारी पंडित को संदेश भेजता। अच्छा किया! वह शैतान कहोड़ इसी के योग्य था।

अष्टावक्र के संस्कार भिन्न थे। उसने राजा जनक के दरबार जाने का निश्चय किया परन्तु विद्रूप शरीर, छोटी आयु कैसे पहुँचे वहाँ। दृढ़ निश्चयी अष्टावक्र अन्दर गयें मुख पर तेज के कारण द्वारपाल रोक न सके। अन्ततः राजा जनक से साक्षात्कार हो गया। राजा ने बहुत समझाया बन्दी पंडित से शास्त्रार्थ करना व्यर्थ है। उसे आज तक कोई हरा नहीं सका। परन्तु अष्टावक्र ने कहा कि मैं यह व्रतांत जानकर ही अद्वैत ब्रह्म की चर्चा करने आया हूँ। बुलाइये, बन्दी पंड़ित को मैं उनकी बोलती बंद कर दूँगा। मैं उनका तेज हरण कर लूँगा। अष्टावक्र के ज्ञान की परीक्षा लेने के बाद राजा जनक ने अष्टावक्र को बन्दी पंडित से शास्त्रार्थ करने भेज दिया। कहते हैं जब अष्टावक्र ने पंडितो की सभा में प्रवेश किया तो उसके रूप को देखकर सब हंसने लगे। अष्टावक्र बोले महाराज मैं तो आपकी सभा में अद्वैत ब्रह्म की चच्रा करने आया था पर यहाँ तो सब चर्मोन्वेषी है तभी तो यह मेरी चमड़ी देख कर हंस रहे है। आपके दरबार में कोई पंडित हो तो उसे बुलाइये। बालक का कटृसत्य सुनकर सब यह समझ गये कि मनुष्य शरीर नहीं आत्मा है। इसलिए किसी को तिरस्कृत मत करो। शास्त्रार्थ हुआ। सभी पंडित पराजित हो गये। यहाँ तक कि बन्दी पंडित भी। तब अष्टावक्र ने बन्दी पंडित को जल में समाधि देने का आग्रह किया तब बन्दी पंडित ने कहा अष्टावक्र मुझे डूबने का कोई भय नहीं है। मैं वरुण का पुत्र हूँ और अपने पिता के राज्य में हो रहे यज्ञ के लिए यहाँ से विद्वान पंडित भेज रहा था। अब मेरे पिता का यज्ञ समाप्ति पर है। सभी पंडित वापस लौट रहे है। तुम्हारे पिता कहोड़ ऋषि भी है। तब पिता ने कहा कि तुमने विद्वान पंड़ितों का उद्धार किया है। चलो समंगा नदी में स्नान करो, तुम्हारे अंग ठीक हो जायेंगे। और इस प्रकार अष्टावक्र की विकलांगता समाप्त हो गई।

– **डॉ. मुरली मनोहर जोशी**।

प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन (राष्ट्रीय संगोष्ठी)

भारत विकास परिषद् अभिनव शाखा मेरठ तथा चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के संयुक्त तत्वावधान में ब्रहस्पति सभागार में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सम्पन्न हुआ। मुख्य वक्ता प्रो. गौहर महमूद जामिया मिलिया विश्वविद्यालय दिल्ली ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के लिए हमें धार्मिक, सामाजिक और नैतिक मूल्यों को समझने की जरूरत हैं संसाधन संरक्षण के निर्देश हमारे जीवन मूल्यों में दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि किसी योजना की सफलता के लिए निगरानी तंत्र होना आवश्यक है। नमामिगंगे की केन्द्र सरकार की योजना को एक सकारात्मक पहल बताया। उन्होंने कहा कि सरकार को वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों का एक मंच बनाना चाहिए जो राष्ट्र निर्माण में अहम सुझाव दे सके। कुलपति जे.के.तनेजा ने कहा कि मानव ने अपनी आवश्यकताओं को लालच में बदल दिया है। अब संसाधनों के उपयोग के बजाए दोहन हो रहा है। जल प्रदूर्षित हो रहा है। अतः इसे बचाने के लिए कोशिश करनी होगी। स्वच्छ भारत अभियान तथा स्वच्छ पेय जल की व्यवस्था करनी होगी। पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रो. ए.के. चौबे ने मानव को विवेकशील प्राणी बताया और कहा कि विवेकपूर्ण ढंग से उपयोग कर संसाधनों को बचाया जा सकता है। 1 डिग्री तापमान पढ़ने पर पृथ्वी पर 10% अधिक जल की आवश्यकता होगी। ग्लोबल वार्मिंग हमारी पीढ़ी के लिए एक चुनौती है। गोष्ठी में डॉ. एस.के. कुमार, चेयरमैन वाटर रिर्सोस सोसायटी तथा नलकूप विभाग के मुख्य अभियन्ता अधिशासी अधिकारी, प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड के अभियन्ता तथा अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो. अली, मेरठ कॉलेज के पर्यावरण विभाग के सदस्यों से वार्ता तथा शंका सुझाव, समाधान सत्र में भाग लिया। संयोजक इंजीनियर बी.डी.शर्मा ने जल पुनर्भरण के कई विकल्पों का उल्लेख किया। उन्होंने 60 से अधिक रिचार्ज कूपों का निर्माण कराया है। इस अवसर पर शोध पत्रों की सार पुस्तिका का विमोचन किया गया। परिषद् के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुरेश चन्द्र गुप्ता ने प्रस्तुत वक्तव्यों का सार प्रस्तुत करते हुए गोष्ठी को एक सही कदम बताया तथा परिषद् के पर्यावरण योजना की विस्तृत चर्चा की।

महिला दिवस पर विशेष

नारी शक्ति बनाम पारिवारिक गठबन्धन

सृष्टि की जननी व परिवार की आधारशिला नारी शक्ति के बारे में युगों-युगों से सुधि व विद्वद्गणों ने अपने-अपने विचार प्रकट करके उसके अनेकानेक गुणों का बखान किया है। इतिहास साक्षी है कि संसार में अब तक निरन्तर एकजुट रहकर प्रगति की ओर अग्रसर होने में नारी की उत्कृष्ट सोच ही महत्वपूर्ण रही। प्राचीनकाल की नारी शक्ति ने सामाजिकता व परिवार भाव के महत्व को समझा, निरखा-परखा। नारी ने त्याग, तपस्या व कर्मनिष्ठा के द्वारा समस्त परिवारजनों को एक सूत्रता में बांधने का सदैव प्रयत्न किया। समस्त परिजनों के प्रति अपनी कर्तव्यपरायणता का परिचय देने के साथ उनका भरण-पोषण एक नारी बखूबी कर सकती है। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि नारी अपनी कल्पना शक्ति को रचनात्मक शक्ति में बदलकर अनेकानेक सम्भावनाओं के साथ पूरे समाज को जोड़कर नई दिशा दे सकती है।

परन्तु आज के युग में शनैः शनैः सामाजिक स्थिति सर्वत्र भिन्न हो रही है। स्त्रियों में शिक्षा के व्यापक प्रचार-प्रसार के बावजूद संयुक्त परिवारों का निरन्तर विघटन होता जा रहा है। एकल परिवारों ने भौतिक सुखों की चाहत तो बढाई है लेकिन साथ ही साथ कर्तव्यपरायणता, नैतिक मूल्यों व सदाचार के भाव घटने लगे हैं भाई-भाई में, भाई-बहिनों में तथा स्वजनों में स्नेह के तन्तु टूटने लगे हैं। बुजुर्ग जन अपने बच्चों से अलग येन-केन प्रकारेण एकाकी जीवन जी रहे हैं। टूटते परिवार व घटते संस्कारों के कारण नारी की स्थिति भी बदहाल होती जा रही है। आए दिन अनाचार, हिंसा व बलात्कार की घटनाएँ नारी जाति के अस्तित्व पर भी प्रश्न चिन्ह लगा रही है। दूसरी ओर परिवार बनने से पूर्व ही तलाक आदि के द्वारा सम्बन्ध विच्छेद से सामाजिक धुरी की नींव भी डगमगाने लगी है। आज हम ऐसे संक्रान्ति काल से गुजर रहे हैं जब देश में अनेक समस्याएँ, अनेक गुत्थियाँ निरन्तर बढ़ती जा रही है जो पारिवारिक गठबन्धन को और भी अधिक कमजोर बनाती जा रही है।

समस्त मानव जाति को दुर्बुद्धि और दुष्कर्मों से बचाकर सत्कर्म की ओर प्रेरित करने के लिए हमें बौद्धिक क्रान्ति लानी होगी। यह क्रान्ति पुरुषों में ही नहीं महिलाओं में भी होनी आवश्यक है। आज की फैशनपरस्त स्थिति ने महिलाओं को सेवा, स्नेह, सम्मान व कर्तव्यनिष्ठा से दूर करके परिवारों को टूटने पर विवश किया है। पति-पत्नी के दाम्पत्य संबंधों में दरार उत्पन्न की है। जिस प्रकार के अनैतिक विचार आज की भावी नारी जाति में निरन्तर बढ़ते जा रहे हैं उन पर यदि समय रहते रोक नहीं लगाई गई तो बची खुची सामाजिक स्थिति को भी बचाना कठिन हो जाएगा। आज के युग की यही पुकार है कि विवेकशील व कर्मठ महिलाएँ संगठित होकर महिला वर्ग में बाल्यकाल से ही बौद्धिक भावना का बीजारोपण करे। समाज के व परिवारजानों के साथ मिलकर ही चहुंमुखी उन्नति सम्भव है। साथ ही उन्हें बचपन से ही घर के छोटे-मोटे रसोई घर के काम के साथ सफाई आदि शारीरिक काम करने को प्रेरित किया जाए जिससे उन्हें बड़े होकर कोई काम करने में कठिनाई नहीं हो।

आधुनिक युग की विडम्बना प्रायः यह रही है कि महिलाएँ अपनी बच्चियों को अच्छी से अच्छी शिक्षा देने के लिए तो भरपूर प्रयास करती हैं, लेकिन घर के छोटे मोटे कामों को सिखाने की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जाता, न ही भविष्य हेतु इसके महत्व को समझाया जाता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हमें सभी कामों को सीखना आवश्यक हैं यही सीख भविष्य में हमारे परिवार की सुख-समृद्धि की आधारशिला बनती है।

परिवार से संबंधित एक और ज्वलन्त समस्या जिसका ऊपर उल्लेख किया जा चुका है वह सुखी दाम्पत्य जीवन कैसे रहे। पिछले तीन दशकों में ज्यो ज्यों शिक्षा व आर्थिक एवं भौतिक क्षेत्र में हमारे समाज में उन्नति हुई है त्यों त्यों गृहस्थाश्रम की नैया (विशेष रूप से युवा पीढ़ी में) डगमगाने लगी है। पति पत्नी में समान शिक्षा का स्तर होने के कारण कई स्थानों पर उनके अहं में टकराव आते-आते क्लेश व कटुता बढ़ने लगी है जिसकी परिणति कई बार तलाक के रूप में होती है। परिवारों को जोड़ने व तोड़ने में महिलाओं का ही ज्यादा हाथ रहता है। प्रायः माताएँ अपनी लड़कियों की गलतियों को अनदेखा करके उनके दाम्पत्य जीवन तथा ससुराल में व्यवस्थित होने में बाधक बनती है।

जीवन में सफलता पाने हेतु परिवारजनों के साथ मैत्री, सद्भावना व सहयोग की भावना का बड़ा महत्व है। यदि हम अपनी बच्चियों को सही मार्गदर्शन दें तो बड़ी हाने पर वे स्वयं ही सन्मार्ग की ओर प्रेषित होंगी आइये, हम सभी महिलाएँ परिवार-भाव के मोल को समझें। परिवारजनों से अपनत्व भाव रखें। संकीर्ण भावनाओं को त्यागकर उदारता व सामंजस्य बनाये रखें। हमारी जीवन रूपी बगिया तभी महकेगी, चहकेगी जब इसमें दादा-दादी, चाचा-ताऊ, भाई-बहिन,बुआ-फूफाजी आदि रूपी पुष्पों की सुगन्ध होगी तथा इनके साथ नन्हे-मुन्नों की किलकारियों से सर्वत्र प्रेम रस की सरिता प्रवाहित होती रहेगी। - **डॉ. बसन्ती हर्ष**, बीकानेर (राजस्थान)

REQUEST TO PRANTIYA AND BRANCH OFFICE BEARERS

Building Brand BVP

For the sake of uniformity and building brand image of Bharat Vikas Parishad, Prant and Branch office bearers are requested to please follow the following guidelines:

1. The **name** of Bharat Vikas Parishad in English should **always** be written in upper-lower case and not all in capitals.
2. The **logo** of Bharat Vikas Parishad should always be printed in black; unless the whole page is being printed in different single colour.
3. The **letter masthead** of the Prant / Branch should always be in bhagwa / saffron colour.
4. Parishad's tagline **"स्वस्थ-समर्थ-संस्कारित भारत <>Swasth – Smarth – Sanaskarit Bharat**" should be extensively used.
5. The **national song** (Vande Mataram) should preferable be sung complete and on the lines of the music available at the Parishad's website. It is downloadable from the web page : **http:// www.bvpindia.com/vande_text.html**
6. Parishad's **flag** as prescribed for use on all India functions only
7. While taking **oath**, one should simply stand in normal position.
8. Prants should use

(a) the **email address** allotted by the Central Office, or

(b) select their own email address preferably such as: **prantname.bvp@gmail.com**

and register it with the Central Office for communications.

9. All Prants should forward latest list of **Presidents / Secretaries / Treasurers of Branches**, along with their (a) phone / mobile no. and (b) email address (no postal address please) for displaying on the website.

विकलांगता अब अभिशाप नहीं रहा

टेढ़े-मेढ़े (क्लब फुट) हो, पोलियो ग्रस्त पैरों को ठीक करना अब आसान हो गया है। इसे कम खर्च में ठीक किया जा सकता है। भारत विकास विकलांग अस्पताल, गया रोड, पहाड़ी पर वरीय हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. एस.एस.झा एवं अन्य डॉक्टरों की मदद से शिविर का आयोजन अस्पताल में किये जाते हैं।

क्या है क्लब फुट

क्लब फुट नवजात शिशु में पायी जानेवाली जन्मजात व सामान्य विकृति है। 500 शिशुओं में से एक इस विकलांगता से ग्रसित होता है। इसमें पीड़ित बच्चे का पैर अन्दर की तरफ मुड़ा या नीचे की तरफ झुका या बीच में टेढ़ा होता है। सही समय पर इलाज कराने से यह बीमारी ठीक हो सकती है। यदि समय से इलाज नहीं कराया गया तो शिशु विकलांग हो सकता है।

जन्म के तुरन्त बाद से ही इसका इलाज शुरू हो जाना चाहिए और इसकी निरन्तर देखभाल हड्डी रोग विशेषज्ञ द्वारा होनी चाहिए। जब तक कि बच्चा ठीक से दौड़ने न लगे। विशेष जूतों की आवश्यकता, प्लास्टर एवं ऑपरेशन के बाद होती है। खास बात यह है कि इलाज में असावधानी के कारण या कई जन्मजात कारणों से यह विकृति पुनः हो सकती है जिसे रिपलेस्ट क्लब फुट कहते हैं और यह एक चैलेजिंग समस्या है। ऐसी परिस्थितियों में जब बच्चे की उम्र बढ़ जाती है, कुछ तो व्यस्क हो जाते हैं, विशेष ऑपरेशन या पैर को तारों से बांधकर इन्हें पुनः सीधा किया जा सकता है।

सम्पर्क हेतु - 9905747250ए 7004910577 डायल करें।

डॉ. एस.एस. झा, वरीय हड्डी रोग विशेषज्ञ, डायरेक्टर, महावीर वात्सल्य अस्पताल, पटना (बिहार)

-**विवेक माथुर**, न्यासी, भारत विकास विकलांग न्यास, पटना (बिहार) मो. 9334112073

आओ कुछ हंस लें-

1. **पुराने जमाने में** औरते अपने पति का नाम नहीं लेती थी।

   दो औरते बात कर रही थी, उसमें एक औरत के पति का नाम धनिया था।

   पहली औरत - बहन आज खाने में क्या बनाया है।

   दूसरी औरत - दाल, चावल, सब्जी और पप्पू के पापा की चटनी।

2. **मुरली** को सिर फट गया। डाक्टर ने पूछा ये कैसे हुआ।

   मुरली - एक दोस्त की राय मानने का परिणाम है।

   डॉक्टर - ऐसा क्या किया था उसने।

   मुरली - मैं ईट से पत्थर तोड़ रहा था। मेरे एक दोस्त ने मुझसे कहा कभी खोपड़ी का इस्तेमाल कर लिया करों बस हो गया।

3. **एक महिला** तीन बच्चों के साथ बस में यात्रा कर रही थी।

   कन्डक्टर - मैडम इन बच्चों का टिकिट लगेगा, उम्र बताओ?

   महिला - पहले वाले की दो साल, दूसरे वाले की ढ़ाई साल और तीसरे का तीन साल।

   कन्डक्टर - टिकिट चाहे मत लो, पर अन्तर तो 9 महीने का रखो।

   महिला कर्मफूटे बीच वाला जेठानी का है, तू टिकिट काट, ज्ञान मत बाँट।

4. **जिन्दगी** में यदि कोई आप से पूछे ''खोया क्या है और पाया क्या है????

   तो पूरे विश्वास के साथ कहना कि ------

   जो गाजर के हलुवे में डालते हैं वो खोया है और जो खटिया में नीचे चार डंडे हैं वो पाया है!!

5. **साधू** - बच्चा तुझे स्वर्ग मिलेगा, लाओ कुछ दक्षिणा दे जाओ।।

   बच्चा - ठीक है, दक्षिणा में आपको मैंने दिल्ली दी।

   आज से दिल्ली आपकी हुई।

   साधू - ये क्या मजाक है??? दिल्ली क्या तुम्हारी है, जो मुझे दे रहे हो।

   बच्चा - तो स्वर्ग क्या आपने खरीद रखा है??? जो आप सबको बांट रहे हो।

6. **गाँव की दुकान** पर ग्वाले की लड़की जा कर कहती है, लाला जी माँ ने एक किलो चीनी मंगाई है। ठीक है; लाला ने चीनी देते हुए पूछा; ''घी बनाया है आज?'' ''जी लाला जी'' ''अच्छा एक किलो ले आना।''

   लड़की घर जाकर कहती है ''लाला ने घी मंगाया है।'' एक किलो घी तोल कर लाल की दुकान पर पहुँचा दिया गया।

   ज़रा ही देर में लाला जी ग्वाले के घर आधमकते हैं. गुस्से से लाल पीले; लड़की के सामने पड़ जाते हैं; बुला अपनी माँ को।

   क्या हुआ लाला जी, इतने नाराज़ क्यों हो रहे हो?. अरे मैं ही मिला बेवकूफ बनाने के लिए।

   लाला जी कुछ बताओगे भी?। एक किलो घी मंगवाया था आठ सौ ग्राम निकला।

   बस लाला जी इती-सी बात! वो तो एक किलो का बट्टा कहीं दब गया, मिल नहीं रहा था, अभी लड़की एक किलो चिनी लेकर आई थी न, सो मैंने तराजू पर रख कर घी तोल दिया!!!

7. **शिक्षक** - बताओ बिजली कहाँ से आती है।

   छात्र - जी मामा जी के घर से

   शिक्षक - वो कैसे.....? ? ?

   छात्र - जब भी बिजली जाती है। पापा कहते हैं लो काट दी सालो ने।

बुलेट समाचार

- मुख्य शाखा जनकपुरी (दिल्ली पश्चिमी) ने विवेकानन्द जयन्ती मनाई।
- सीतापुर (अवध प्रदेश) शाखा द्वारा 4 स्कूलों में विवेकानन्द जयन्ती मनाई गई।
- लखनऊ पूर्वी शाखा द्वारा महिला शक्तिकरण पर डॉ. विनीता लाल तथा शालिनी सिंह ने विचार रखे। विकलांग केन्द्र पर 5 कूलर, कम्बल, कूड़ेदान, चादर, चप्पल तथा कैरम, फूटबाल प्रदान किये गये।
- पटियाला (पंजाब पूर्व) शाखा द्वारा गरीब व जरूरतमंद लोगों को कंबल बांटे।
- बालोतरा (राजस्थान पश्चिम) शाखा ने राजकीय विद्यालयों में कुल 81 विद्यार्थियों को स्वेटर वितरण किये।
- बकेवर (ब्रह्मावर्त) शाखा द्वारा चकनगर विकास खण्ड के 50 निर्धन स्त्री पुरुषों को ठंड से बचाव हेतु कम्बल प्रदान किए गए।
- उरई (बुन्देलखण्ड) शाखा द्वारा रामानुज वाटिका लक्ष्मी मंदिर में झाँसी रोड उरई में मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया। 56 लोगों ने शुगर चैक कराई। 7 लोगों को अधिक शुगर के कारण औषधि दी गई। अध्यक्ष रीतेश तरसौलिया तथा अजय इटोरिया उपस्थित रहे।
- सत्यम वाराणसी (काशी प्रदेश) शाखा द्वारा विवेकानन्द पार्क में गणतंत्र दिवस के आयोजन पर राम कटोरा अनाथालय में अनाथ बच्चों को घर से तैयार भोजन कराया गया।
- आजमगढ़ शाखा ने राज्य में मतदान के संदर्भ में जागरूकता के लिए मानव श्रृख्ला बनाई तथा मतदाताओं को मतदान हेतु जागरूक किया। शाखा अध्यक्ष श्री अशोक कुमार अग्रवाल को जिलाधिकारी सुहास एल.वाई. द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक आनंद कुलकर्णी ने इसे एक अच्छा प्रयास बताया। प्रभारी अधिकारी स्वीप ऋतु सुहास ने बताया कि स्कूलों की पोस्टर प्रतियोगिता में 25000 पोस्टर एकत्र किये गये। मानव श्रृख्ला में नारी शक्ति संस्थान, पूर्वांचल विकास आन्दोलन, आंकाक्षा समिति, जिला बैडमिन्टन क्लब के सहयोग से परिषद् के इस आयोजन की नगर में सराहना हुई।
- शिवम् अलीगढ़ (ब्रज प्रदेश) शाखा द्वारा हिन्दी दिवस प्रतियोगिता के पुरस्कार बांटे गये। एमिटी पब्लिक स्कूल रामघाट रोड पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य व छात्रों ने सहभागिता की।
- सीवन (हरियाणा उत्तर) शाखा जिला कैथल ने 5 निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह आयोजित किया।
- पडवाला (हरियाणा उत्तर) शाखा द्वारा राजकीय प्राथमिक विद्यालय दयालपुरा में 95 जर्सियाँ वितरित की गई।
- Gandhinagar, Jammu (Jammu & Kashmir) Branch Celebrated Republic day. Shri Bhopal Datta and Dr.Ashok Kumar attended the function or Chief Guest.
- Swarnim (Kashi Prant) branch celebrated Republic day at Chetanganj Girls School. Books stationary and Sweets were distributed to the children. Dr. Kalyani, Richa, Varsha, Suman, Shalini were present.

पश्चाताप

तुम्हें अपनी माँ या पत्नी में से एक को ही चुनना होगा, जूही ने अपना फैसला सुना दिया।

माँ बोली - बेटे मैं तेरा दर्द समझती हूँ, तेरे लिए बड़ी मुश्किल की घड़ी है। एक तरफ जन्म देने वाली माँ और दूसरी तरफ जीवन साथी पत्नी। दोनों में से एक को चुनना आसान नहीं है। माँ ने फैसला ले लिया। मैं घर छोड़ कर किसी वृद्धाश्रम में चली जाऊगी पर तेरा घर न उजड़ने दूँगी।

दादी आप कहाँ जा रही हो, मैं नहीं जाने दूँगा। मुझे कहानी कौन सुनाएगा। मेरे साथ कौन खेलेगा। मैं भी आपके साथ जाऊँगा रोते रोते पाँच साल का चीनू दादी से लिपट गया।

जिद नहीं करते बेटा। जहाँ दादी जा रही है, वहाँ तुम नहीं जा सकते, जूही ने कहा। क्यों नहीं जा सकता। चीनू अब भी रोये जा रहा था। क्योंकि वहाँ सिर्फ बूढ़े लोग रह सकते हैं, जूही ने बेटे को समझाना चाहा। नहीं जाने दूँगा दादी को और न आप दोनों को। जब आप बूढ़े हो जाएँगे। और तब रमन ने जूही की आँखों में झांक कर देखा, उसकी आँखों में पश्चाताप के आँसू थे। - **अलका मित्तल**, मेरठ

नववर्ष आपके लिए मंगलमय, सुखद एवं कल्याणकारी हो

इस नव संवत को हर्षोल्लास एवं आनन्दपूर्वक मनाने की पृष्ठभूमि में बड़ी सुखद एवं प्राणवान स्मृतियाँ जुड़ी हुई हैं। भारतीय संस्कृति, सभ्यता, धर्म, दर्शन, साहित्य एवं कला को उन्नति के शिखर पर ले जाने वाले महान न्यायप्रिय, समदर्शी, आदर्शवीर, साहित्य एवं कला के आश्रयदाता महाराजा विक्रमादित्य द्वारा यह संवत चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को आरंभ किया गया था। शकों को भारतीय भूखण्ड से खदेड़ कर देश की अस्मिता की रक्षा करने वाले इस महान प्रजा पालक, वीर नायक, महान सम्राट की स्मृति हमें गौरव एवं सम्मान से प्रफुल्लित एवं स्पन्दित कर देती है।

यह पावन दिवस कई अन्य महत्वपूर्ण स्मृतियों को भी अपने भीतर संजोये हुए है। ब्रह्म पुराण के अनुसार इसी दिन पृथ्वी माता का जन्म अथवा सृष्टि का सृजन हुआ था और इसी चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन भगवान ने मत्स्य अवतार धारण कर सातवें मनु की जल प्रलय से रक्षा की थी।

इसी दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का रज्याभिषेक सम्पन्न हुआ था और उन्होंने 11,000 (हजार) वर्ष राज्य कर अपने शासन काल में ऐसी मर्यादायें स्थापित की जो आज का जन मानस ऐसे राज्य की कामना करता है। इसी दिन धर्मराज युधिष्ठिर का भी राज्याभिषेक हुआ था। जिन्होंने अधर्म पर विजय प्राप्त कर 35 वर्ष धर्म राज्य किया।

महिषासुर, रक्तबीज, चण्डमुण्ड आदि अत्याचारी राक्षसों का वध कर विश्व कल्याण करने वाली माँ भगवती की पूजा, अर्चना एवं स्तुति के लिए नवरात्रों का आरम्भ भी इसी दिन चैत्र प्रतिपदा को होता है। आर्य समाज के प्रवर्तक महाऋषि दयानन्द सरस्वती जी ने समाज की कुरीतियों को दूर करने के लिए, जनमानस को जागृति प्रदान करने के लिए एवं नई दिशा प्रदान करने के लिए इसी शुभ दिन आर्य समाज की स्थापना की थी। इसी दिन संवत् 1946 में हिन्दू राष्ट्र के महान जननायक, भारतीय धर्म, दर्शन, साहित्य एवं संस्कृति के संरक्षक, नवचेतना के स्फूर्तिदायक परम पूज्नीय डॉ. केशवराम बलिराम हेडगेवार जी का जन्म हुआ था।

आन्ध्र प्रदेश में यह दिन ''उगादि'' पर्व नाम से मनाया जातो है। उगादि का अर्थ है युग का आरंभ अथवा ब्रह्मा जी की सृष्टि का रचना दिवस। आओ नए संकल्प, नई उमंग और उत्साह के साथ अपने आराध्य देव की पूजा अर्चना करके 28 मार्च, 2017 को प्रथम नवरात्रे के दिन संवत 2074 साधारण नामक नववर्ष का शुभारंभ करें।

इस वरस वहारें यूं गुलिस्ता को महकाएं,
देश की तरक्की को चार चाँद लग जाएँ।

–**योगराज शास्त्री**, सुजानपुर (पंजाब)

राष्ट्रीय समन्वयक श्री सुरेश जैन जी का प्रवास

परिषद् के मध्य क्षेत्र के मध्य भारत दक्षिण (इन्दौर), महाकौशल (जबलपुर) व विन्ध्य प्रान्त (सतना) की प्रान्तीय बैठकों में राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री अरुण डागा तथा श्री सुरेश जैन जी ने परिषद् में परिवार भाव तथा आत्मीय संबंधों के निर्माण पर बल दिया। अपने क्षेत्र में विभिन्न श्रेणी के प्रमुख लोगों की सूची बनाकर उनसे सम्पर्क तथा परिषद् से जोड़ने का प्रयास किया जाय। सम्पर्क के लिए परिषद् के साहित्य (नीति, ज्ञान प्रभा, फोल्डर, पत्रक आदि) का प्रयोग किया जाय। तीन दिनों के प्रवास में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति प्रेरणादायक रही।

कर्म करो फल की चिन्ता मत करो

जमीन में दो बीज बोये गये थे। अब उनके अंकुरित होकर धरती के ऊपर आने का वक्त था। तभी एक बीज ने सोचा कि पता करते हैं धरती के ऊपर का जीवन कैसा है? उस बीज ने कई पौधों व वृक्षों से बात की और एक निष्कर्ष निकला कि धरती के ऊपर का जीवन बहुत कष्टदायी है। धरती के मानव पौधों को पैरों तले रौंद देते हैं। जीव जन्तु पेड़ पौधों को खा जाते हैं। इस प्रकार उस बीज ने निर्णय लिया कि वह अंकुरित होकर धरती के ऊपर नहीं जाएगा और उसने यह बात अपने दोस्त दूसरे बीज को भी बताई और उसे भी अंकुरित ना होने की सलाह दी। पर उस दूसरे बीज ने उसकी बात नहीं मानी और अंकुरित हो कर ऊपर आने का फैसला किया। आज कई वर्षों बाद वह बीज एक वृक्ष बन गया जिसने फूल, फल दिये, लोगों को छाया दी और अपने बीज से नये पौधों और वृक्षों को जीवन दिया। अपने आप में बहुत खुशी पाई। उसी जगह वह बीज जिसने अंकुरित ना होने का फैसला किया था वह धरती के नीचे ही खराब होकर मर गया।

जीवन में अगर भविष्य से डर कर आगे बढ़ेंगे तो कभी कुछ नहीं मिलेगा। जीवन के हर कोने में डर है, पर उसमें जी कर ही जिन्दगी में आगे बढ़ सकते हैं। डर कर बैठ जाने से जिन्दगी एक ठहरे हुए पानी की तरह हो जाती है जिसमें कुछ दिनों के बाद कीड़े पड़ जाते हैं और दुर्गन्ध फैल जाती है। चलता हुआ जीवन बहती हुई नदी की धारा है जो सदैव निर्मल और पवित्र होती है।

काशी प्रदेश, आज़मगढ़ : शाखा द्वारा करीमुद्दीन गाँव की आदिवासी वस्ती में कम्बल, गर्म कपड़े वितरित किये गये। ग्रामवासियों को स्वच्छता के लाभ बताये गयें बच्चों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया गया। बिरजा शंकर राय, डॉ. मातवर मिश्र, पद्माकर प्रसाद गुप्त, अशोक अग्रवाल आदि उपस्थित रहे। रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड, अस्पताल में भी कम्बल वितरण किये गये।

एक बार एक गधे और चीते में बहस हो गई। चीता बोला आसमान का रंग नीला है। गधे ने कहा काला है।

दोनों शेर के दरबार में पहुँचे। शेर ने बहस सुनकर चीते को जेल में डाल दिया। चीता गिड़गिड़ाया मैं सही हूँ फिर भी मुझे सजा क्यों मिल रही है। शेर बोला मैं जानता हूँ तुम सही हो, पर तुम्हें सजा इसलिए मिल रही है कि तुमने गधे से बहस ही क्यों की। बो तो गधा है, कुछ भी बोल सकता है

कभी देखा है - मोदी को बहस करते हुए। - **अरुण**

प्रयाग, तेजस्विनी इलाहाबाद : शाखा द्वारा सेवा घर झूसी में खेलकूद प्रतियोगिता भाषण, निबन्ध और सांस्कृति कार्यक्रम सम्पन्न हुए। ग्राम रतौरा सराय इनायत में मुफ्त चिकित्सा शिविर लगाकर 200 मरीजों का परीक्षण किया गया। शाखा द्वारा प्रौढ साधना शिविर के आयोजन एवं व्यवस्थाओं पर चर्चा हुई। दारागंज की मलिन बस्ती में बच्चों को मिठाई तथा उपहार बांटे गये। सचिव मधुबाला श्रीवास्तव।

अवध प्रदेश, गोला गोकर्णनाथ-लखीमपुर : शाखा द्वारा 'आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण' कार्यक्रम राय रतन शास्त्री महाविद्यालय, कोठी-गणेशपुर खीरी में सम्पन्न कराया गया। राधेश्याम पाल, प्रभारी अग्निशमन अधिकारी, पलिया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तथा श्रीकान्त तिवारी, सभासद विशिष्ट अतिथि रहे। मुख्य प्रशिक्षक ने बताया कि अचित प्रशिक्षण प्राप्त कर प्राकृतिक आपदाओं जैसे - भूकम्प, बाढ़, अग्नि से बचा जा सकता है अथवा मानवीय व सामान की हानि को कम से कम किया जा सकता है। आपने गैस सिलेण्डर की आग पर काबू पाना, दो डण्डे व चादर से अस्थायी स्ट्रैचर बनाना, रस्सी की मदद से आपातकालीन स्थिति में बहुमंजिला इमारत से उतरना आदि का प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर राजेश गिरी, सौरभ दीक्षित, गुरुदेव शर्मा, निधि शुक्ला, भावना सिंह आदि उपस्थित रहीं।

बुन्देलखण्ड, उरई : गुरु गोविन्द सिंह के 350वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में शाखा ने बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ पर कार्यक्रम आयोजित कर मनाया। सरदार आज्ञा सिंह व गौरी तरसौलिया ने गुरु गोविन्द सिंह के जीवन पर प्रकाश डाला। छोटी बच्चियाँ ने अपने हुनर कौशल प्रस्तुत किएं लगभग 250 लोग सभागार में मौजूद रहे। 'वतन के लिए' शीर्षक के आधार पर गणतंत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें परिषद् परिवारों के साि 125 बच्चों ने सहभागिता ी। हास्य नाटक 'डाक्टर साहब', माँ भारती पर समूह नृत्य मतदाता जागरूकता पर लघु नाटक आदि कार्यक्रम की शोभा रहे।

भारतीय नव वर्ष शुभ हो

दिन बीते महीने बीते बीता यह भी वर्ष
नव वर्ष के स्वागत को मन में कितना हर्ष।
लेकिन यह नव पूछ रहा है हमसे
संकल्प कितने पूर्ण हुए कह दो सच्चे मन से,
क्या खोया क्या पाया सच-सच बतलाना,
सब को एक दिन तो है उसके घर को जाना।
होता है हर वर्ष यही
लेते हम संकल्प कई,
पुरा न होता एक भी वादा,
पाते कम हम खोते ज्यादा
लगता है मुझको कुछ ऐसा,
भूल कहीं हम कर जाते हैं,
प्रण कई हर वर्ष लेने की,
परम्परा मात्र निभाते हैं।
तो इस वर्ष भी प्रण लेने से पहले
एक प्रण लें हम सब मिलकर,
अपने अन्दर के रावण को,
फेकेंगे जड़ से उखाड़कर।
प्रण यदि यह पूर्ण हुआ तो,
जरूरत न किसी और की होगी,
स्वत: ही अपने चारों ओर,
खुशियाँ और खुशियाँ ही होंगी।

-आलोक नाटेकर

झाँसी प्रमुख : शाखा द्वारा आयोजित गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम में प्रान्तीय अध्यक्ष राजेश जैन तथा राष्ट्रीय

उपाध्यक्ष केशव दत्त गुप्ता ने सहभागिता की। इस अवसर पर 50 शिक्षक, 35 छात्र तथा 15 अविभावकों को सम्मानित किया गया। सचिव विपिन सोनी ने आभार प्रकट किया।

रानी झाँसी : शाखा द्वारा 3 निर्धन कन्याओं का सरल विवाह आयोजित किया गया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केशव दत्त गुप्ता तथा जागरण के सम्पादक यशोवर्धन गुप्त के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। रूपा-संजय, भगवती-शेर सिंह, प्रिन्सी-नीरज के दाम्पत्य बन्धन तथा वैवाहिक रस्मे पूरी की गई। आलोक गर्ग, राजेश जैन, देवेन्द्र सिंह, मैथिलीशरण गुप्त, कुंज बिहारी गुप्ता ने व्यवस्थाओं को संभाला। समारोह में राशि जैन, रेखा सिंह, सोनल, शिल्पी, चेताली, नीलम, अरुणा, संगीता, सोहिता, सुमन, रजना, भावना, पूजा, वीना, शोभा, सुनीता आदि ने विवाह सम्पन्न कराने में प्रमुख भूमिका निभाई। रिपोर्ट अवधेश गहोई, सचिव

ब्रह्मावर्त, किदवई नगर-कानपुर : भारत विकास परिषद् किदवई नगर शाखा ने मकर संक्रान्ति उत्सव कमला वधावन बालिका इंटर कॉलेज में मनाया गया। शाखा द्वारा संचालित बाल संस्कार केन्द्र के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। रामशरण श्रीवास्तव, राष्ट्रीय संरक्षक, एम.एल.अग्रवाल, प्रान्तीय संरक्षक, के.के.द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

उन्नाव : शाखा द्वारा जन कल्याणकारी योजना के अन्तर्गत मरणो परान्त मृतकदेह को सुरक्षित रखने के लिए एक फ्रीज़र जनता को समर्पित किया गया। प्रान्तीय उपाध्यक्ष श्री एच.डी. भारद्वाज ने फ्रीज़र की आवश्यकता और उपलब्धता की जानकारी दी। हनुमंत जी व संस्थापक अखिलेश अवस्थी ने भी विचार प्रकट किये। पवन तनेजा, सुभाष चोपड़ा, राम तनेजा, अध्यक्ष, अजीत पाल सिंह, सचिव ने व्यवस्था संभाली।

BE AWARE OF DRINK

Pesticide level in soft drinks is too high and dangerous for human level results into cancer – the Hindu released by Indian Medical Association.

1.	Thums up	7.2%
2.	Coke	9.4%
3.	7 up	12.5%
4.	Miranda	20.7%
5.	Pepsi	10.9%
6.	Fanta	29.1%
7.	Frooti	24.5%
8.	Maaza	19.3%

उत्तराखण्ड पश्चिम, अविरलगंगा रुड़की : रुड़की के अविरलगंगा शाखा में रामकृष्ण मठ हरिद्वार के स्वामी नित्य सुधानन्द जी महाराज तथा मुख्य वक्ता डॉ. राधिका नागरथ प्रबन्धक दिव्य योग फार्मेसी हरिद्वार थीं। विवेकानन्द पर पी.एच. डी. प्राप्त डॉ. राधिका ने कहा कि स्वामी जी आध्यात्मिक क्षेत्र में ही नहीं वैज्ञानिक क्षेत्र में भी भारत की उन्नति चाहते थे। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति विश्व में सर्वश्रेष्ठ है जहाँ परम्पराओं और संस्कारों का उचित समिश्रण पाया जाता है। स्वामी नित्य सुधानन्द जी ने 'भारत की हुंकार-सात समन्दर पार' कार्यक्रम के शीर्षक को सराहना की। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द में अनेक दुर्लभ प्रसंगों को साझा किया। पायनियर इन्जीनियरिंग कॉलेज के निदेशक श्री सुनील जैन ने कॉलेज विद्यार्थियों को स्वामी जी के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। संयोजक राजकुमार उपाध्यक्ष, अध्यक्ष डॉ. संगीता सिंह, सचिव साक्षी त्यागी के संयोजन में स्वामी जी पर एक प्रश्नोत्तरी तथा प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

(बेटियाँ) ''ग़ज़ल''

रूकती नहीं चलती है, रवानी है बेटियाँ।
मासूम है भोली है, सयानी है बेटियाँ।।
ये है किताबे लाजवाब, इन्हें पढ़ तो लीजिए।
है गीत भी ग़ज़ल भी, कहानी है बेटियाँ।।
आपके आंगन में कली बन के खिल गई।
ये बनकर उड़ेगी खुशबू, सुहानी है बेटियाँ।।
घर भर की लाडली ये, डोली में चल पड़ी।
है अपने घर की शोभा, रानी है बेटियाँ।।
सेवाओं के बदले खुद के आँसू भी पी गई।
हर रंग में ढ़लती है, पानी है बेटियाँ।।
संवेदनाएँ इनमें है और प्रेरणा हे इनमे।
बचपन है बुढ़ापा है, जवानी है बेटियाँ।।
माँ शारदे है राधा, मीरा भी इनमें दुर्गा।
नफ़रत से दूर प्रेम, दीवानी है बेटियाँ।।

-**विभा जैन**, धार (म०प्र०)

समर्पण रुड़की : शाखा द्वारा रुड़की शहर के स्टेडियम तथा रामलीला आने वाले प्रतिभागियों तथा दर्शकों के लिए शौचालय ब्लॉक का निर्माण मलिक एजुकेशन ट्रस्ट तथा परिषद् सदस्यों के सहयोग से 4,80,000 रुपये की लागत से किया गया है। अध्यक्ष रश्मि जैन, प्रान्तीय अध्यक्ष एस.एस. कोठियाल ने प्रधानमंत्री स्वच्छता अभियान एवं शौचालय निर्माण के अन्तर्गत इस काग्र को जन उपयोगी बताया। इस अवसर पर राष्ट्रीय युवा क्रिकेट टीम के चयन के लिए ऋषभ पंत को सम्मानित किया गयां संरक्षक श्री ए.सी.ओहरी ने परिषद् के सिद्धान्तों पर प्रकाश डाला। मुजिव मलिक, मोहित गुप्ता बीना सिंह उपस्थित रहे।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मोदी नगर : स्वामी

विवेकानन्द जयन्ती के उपलक्ष्य में शाखा ने 8 जनवरी को मोदी इंटर कॉलेज में स्वामी जी के जीवन पर एक लिखित प्रतियोगिता आयोजित की। प्रतियोगिता में शहर के विभिन्न विद्यालयों के कुल 714 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को 15 जनवरी को आर.एन.रिसार्ट में स्वामी जी की जयन्ती कार्यक्रम में पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. सुरेश चन्द्र गुप्ता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (केन्द्रीय कार्यालय) रहे। उन्होंने स्वामी जी के कार्य एवं विचारों को सरलता से उपस्थित विद्यार्थियों के सम्मुख रखा। विश्व बन्धु सचदेवा, शाखा अध्यक्ष ने माँ भारती पर सुन्दर गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कपिल शर्मा, शाखा सचिव ने किया। तीन बच्चियों द्वारा प्रस्तुत नृत्य 'दुर्गा स्तुति' विशेष सराहा गया। गुंजन को सर्वाधिक अंक प्राप्त करने हेतु विशेष सम्मान प्राप्त हुआ। उपस्थित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्यों, सम्मानित जनों एवं डॉ. गौरव भाटिया, विपिन गोयल, विवेक भाटिया, शिवानी शर्मा, पुष्पा आदि ने सभी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। प्रान्त से मनोज अवस्थी तथा सतीश चन्द गर्ग, महासचिव उपस्थित थे।

हस्तिनापुर, समृद्धि मुजफ्फरनगर : शाखा द्वारा दयानन्द बाल विद्या मंदिर में गणतंत्र दिवस आयोजन में धर्मवीर माणिक, राणा जी तथा शाखा अध्यक्ष मनोज सेठी ने ध्वजारोहण किया। छात्रों द्वारा काव्य पाठ, नृत्य तथा भाषण प्रस्तुत किये गये। राजेन्द्र सिंघल ने बच्चों को आशीर्वाद दिया। महान् सेनानायक सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती सरस्वती शिशु मंदिर, जूनियर हाई स्कूल में मनाई गई। मनोज सेठी, शाखा अध्यक्ष व विनोद वर्मा, पूर्वाध्यक्ष द्वारा सुभाष चन्द्र बोस के जीवन पर प्रकाश डाला। बच्चों ने सांस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस अवसर पर रोहताश गुप्ता, सुरेन्दर सैनी, कुसुम लता, सुरेखा आदि उपस्थित रहे।

संशोधन!

जनवरी, 2017 की 'नीति के पृष्ठ संख्या 17 पर हिन्दी गीत में तृतीय स्थान प्राप्त टीम के स्कूल का नाम पी.डी.कन्वेन्ट हायर सेकेण्ड्री स्कूल, ग्वालियर है।

पल्लवपुरम-मेरठ : शाखा द्वारा गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय स्कूलों में किया गया। पूर्व प्रधनमंत्री श्रीमती इन्दिरा गाँधी की जयन्ती तथा गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस का आयोजन किया। शाखा द्वारा 3 सामूहिक सरल विवाह का आयोजन किया गया। नि:शुल्क चिकित्सा एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन कर निर्धनों की सेवा की।

राजस्थान मध्य, राजसमंद : खुशी बैंक के द्वारा भारत विकास परिषद् राजसमंद शाखा द्वारा जरूरतमंद लोगों को नये वस्त्र प्रदान किये गये। महेश महिला प्रगति संस्थान के साथ परिषद् ने नये गर्म वस्त्रों का वितरण किया। काकरोली मुख्य डाकघर के पास खुशी बैंक परिसर में अध्यक्ष पूनम माहेश्वरी, लक्ष्मी, उषा, पुष्पा, विमलेश, राधिका, रेणु, दीपिका ने नये जूते, शर्ट, ऊनी स्वेटर आदि सामग्री भेंट कीं सचिव जयप्रकाश ने धन्यवाद दिया।

राजस्थान दक्षिण, बांसवाड़ : मध्य रात्रि में अस्पताल, बस स्टेण्ड, ग्राउण्ड आदि क्षेत्रों में सोये निर्धनों को कम्बल दान किए गये। हरेश लखानी के सौजन्य से यह प्रकल्प संचालित हैं कार्यक्रम में डॉ. एम.पी. सिंह, राजेन्द्र शुक्ला, डॉ. मुकेश जैन, हरीश तलवाडिया आदि का सहयोग रहा।

भामाशाह उदयपुर : स्वामी विवेकानन्द जयन्ती 'जन्मदिन मनाइये-पौधा भी लगाइये अभियान के अन्तर्गत मनाई गई। स्थान रहा उदयपुर हिरण मंगरी सेक्टर-3 विवेक पार्क। मुख्य अतिथि एम.जी.वार्ष्णेय, क्षेत्रीय सचिव रहें येवन्ती कुमार बोलिया, शाखा अध्यक्ष ने बताया कि पौधारोपण के पश्चात् एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा सुश्री निवेदिता भिडे को भारत सरकार ने समाजिक कार्य हेतु पद्मश्री के लिए नामांकित किया। परिषद् परिवार की ओर से बधाई।

अजाद उदयपुर : मकर संक्रान्ति के उपलक्ष्य पर शाखा सदस्यों द्वारा बड़गाँव स्थित प्रसिद्ध कृषि विज्ञान केन्द्र का दौड़ा किया गया जिसमें केन्द्र के समन्वयक डॉ. ए.एस.जोधा ने अपने विशेषज्ञ इंजीनियरों के साथ सदस्यों को डेयरी यूनिट, टेक्यो पार्क, कण्टेनर गार्डन, वेजीटेवल कल्टीवेशन, हॉर्ट्री कल्चर फार्म दिखाकर महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की। डॉ. आशीष सिसोदिया के अनुसार कृषि विज्ञान केन्द्र भ्रमण के पश्चात सभी छोटे, बड़े, पुरुष, महिला द्वारा उत्साहपूर्वक खेलों में भाग लेकर कार्यक्रम को रोमांचित कर दिया।

मेवाड़-उदयपुर : स्वामी विवेकानन्द जयन्ती का आयोजन धूमधाम से किया गया। डॉ. जयराज आचार्य, प्रान्तीय अध्यक्ष की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। डॉ. प्रदीप कुमावत ने स्वामी विवेकानन्द जी की जीवनी, विचार व आदर्शों पर प्रकाश डाला और उन्हें आत्मसात करने पर जो दिया।

राजस्थान पश्चिम, बाड़मेर : शाखा द्वारा स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर जेल में कैदियों को जिला कलेक्टर सुधीर कुमार शर्मा व जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंगला के आतिथ्य में कम्बल बर्तन का वितरण किया गया। प्रान्तीय उपाध्यक्ष रामकुमार जोशी ने स्वागत उद्‌बोधन किया व शाखा अध्यक्ष ओमप्रकाश मेहता ने कहा कि सेवा व संस्कार कार्यों में परिषद् सदैव जिला प्रशासन का सहयोग करता रहेगा। इस अवसर पर किशोर शर्मा, बंशीलाल अग्रवाल, चुन्नीलाल खत्री आदि उपस्थित रहे।

जालौर : शाखा के भारत को जानो प्रतियोगिता के विजेता सेन्ट पॅल सेकेण्ड्री स्कूल की टीम की हिमानी चौधरी तथा दृष्टि मूलचन्दानी को गणतंत्र दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया। ऊर्जा राज्यमंत्री पुष्पेन्द्र सिंह राणावत तथा जिला कलेक्टर श्री अनिल गुप्ता ने प्रशस्ति पत्र दिये। परिषद् जिलाध्यक्ष श्री पद्‌माराम चौधरी के निर्देशन में जालौर की उपलब्धियों को सराहा गया।

प्रख्यात गाँधीवादी डॉ. सुब्बाराव का सम्मान

पटना के विकलांग न्यास पर आयोजित भव्य समारोह में प्रसिद्ध गाँधीवादी विचारक डॉ. एस.एन.सुब्बाराव ''भाई जी'' का सम्मान किया गया। इस अवसर पर भाई जी ने कहा कि 20वीं सदी पाश्चात्य देशों की थी। 21वीं सदी में भारत विश्व को नेतृत्व प्रदान करेगा। वर्तमान में लगभग 30 करोड़ लोंगों को पर्याप्त भोजन उपलब्ध नहीं है। स्वामी विवेकानन्द और महात्मा गाँधी के मार्ग पर चलकर खुशहाल भारत का निर्माण किया जा सकता है। विकलांग अस्पताल को देखकर उन्होंने कहा कि आप विकलांग बच्चों को पैर लगाकर साक्षात भगवान की पूजा कर रहे हैं। महामंत्री बिमल कुमार जैन, विवेक माथुर, डॉ. एस.एन.झा, प्रो. विश्वनाथ अग्रवाल ने अंग वस्त्र और श्रीफल देकर सम्मान किया। इस अवसर पर 40 पोलियों पीड़ित बच्चों का परीक्षण तथा ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। लायक राम ब्रज कुमारी ट्रस्ट द्वारा आयोजित शिविर को बिहार सरकार के समाज कल्याण विभाग की सचिव श्रीमती सुजाता चालान ने उद्‌घाटन किया।

सुमेरपुर-शिवगंज : मकर संक्रान्ति के अवसर पर शाखा द्वारा वनवासी कल्याण केन्द्र के जरूरतमंद छात्रों को कंबल प्रदान किए गए। कार्यक्रम में जगदीश चन्द्र मेवाड़ा, गजेन्द्र सिंह व अन्य ने प्रमुख भूमिका निभाई।

राजस्थान पूर्व, करौली : शाखा द्वारा विभिन्न सरकारी स्कूलों की प्राथमिक कक्षाओं के निर्धन छात्रों को जिलाधिकारी श्री मनोज शर्मा द्वारा पंचायत समिति की प्रधान श्रीमती इन्दू जादव के आतिथ्य में तुलसीपुर, गुनेसरी, कोटे, ठेकरा, रोडखुर्द आदि ग्रामों में 311 ऊनी जर्सियाँ तथा 140 जूते वितरित किये गयें सचिव अरविन्द अग्रवाल के साथ जगन्नाथ, देवेन्द्र, सुधीर, जितेन्द्र, योगेन्द्र का विशेष सहयोग रहा। गणतंत्र दिवस पर सामाजिक कार्यों एवं जागरूकता के लिए जिला कलेक्टर तथा पुलिस अधीक्षक ने परिषद् अध्यक्ष सीताराम शर्मा तथा अरविन्द अग्रवाल सचिव को प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

कीमत

एक 6 वर्ष का लड़का अपनी छोटी बहिन के साथ बाजार से घर जा रहा था। बहन कुछ पीछे रह गई। तो वह रुका और देखा कि उसकी बहन एक दुकान पर खड़ी कुछ देख रही है। लड़के ने पूछा कुछ चाहिए तुम्हें लड़की ने एक गुड़िया की तरफ इशारा किया। बच्चा गुड़िया उठाकर एक जिम्मेदार भाई की तरह बहन को दे देता है। बहन खुश हो गई। बच्चा काउन्टर पर आया और पूछा कितनी कीमत है इस गुड़िया की। दुकानदार गंभीर, शान्त और दयालु व्यक्ति था। उसने जीवन के अनेक उतार चढ़ाव देखे थे। प्यार से बच्चे से पूछा तुम क्या दे सकते हो। बच्चा अपनी जेब से वह सारी सीपे निकालकर दुकानदार को देता है जो उसने कुछ देर पहले समुद्र तट पर इक्ट्ठी की थी। दुकानदार उन सीपों को गिनता है। बच्चा ने पूछा कुछ कम है क्या। नहीं नहीं ये तो बहुत ज्यादा है उसने 4 सीपे रख ली और बाकी वापस कर दी। बच्चा खुशी-खुशी चला गया। ये सब घटना दुकानदार का नौकर देख रहा था। उसने कहा कि मालिक आपने इतनी महंगी गुडिया 4 सीप के बदले दे दी।

दुकानदार बोला हमारे लिए यह सीप है पर उस बच्चे के लिए यह मूल्यवान वस्तु है। इस उम्र में वह नहीं जानता कि पैसे क्या होते हैं। जब यह बड़ा होगा तो उसे याद आएगा कि उसने 4 सीप में एक गुड़िया खरीदी थी। तब उसे मेरी याद आयेगी। वह तब सोचेगा कि यह संसार अच्छे मनुष्यों से भरा पड़ा है। यही बात उसे एक अच्छा इंसान बनने के लिए प्रेरित करेंगी।

राजस्थान दक्षिण पूर्व, छबड़ा बारां : 5 जनवरी को शाखा द्वारा नि:शुल्क वस्त्र संग्रहण एवं वितरण केन्द्र स्थापित किया गयां उक्त केन्द्र में नगरवासी पुराने व नए गरम कपड़े दान कर रहे हैं। परिषद् के सदस्य इन्हें निर्धन एवं वंचित वर्ग में वितरित कर रहे हैं। चन्द्र प्रकाश गुप्ता अध्यक्ष, पंकज गालव सचिव सहित शाखा के अनेक सदस्यों का सहयोग रहा।

बूंदी : शाखा द्वारा राजकीय विद्यालय सिलोट में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम में विधायक डोगरा तथा संत ज्योतिशेवर जी ने आशीर्वाद दिया। सरपंच कुसुम लता कुशवाहा, एस.एल. नागौरी उपस्थित रहे। मेधावी छात्र नरेश सैनी, रूपेश, बनवारी लाल, काजल, हनुमान प्रसाद, बनवारी, मुकेश को स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र दिये गये। शिक्षक ब्रज सुन्दर, कलपुरिया, राजेन्द्र व्यास, हंस राज, मीणा, वीरेन्द्र कुमार ठाकेर, अनीता चौधरी, गुणवंती शर्मा, हरिमोहन, कजोड़ गुर्जर, घनश्याम, लादू सेन, आरती मुदगल को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गयां संत ज्योतिशेवर ने कहा कि गुरु के सम्मान से राज्य विकसित होता है। गुरु ही सच्चा मार्ग बताता है। गुरु सेवा से पुण्य मिलता है। अतः परिषद् का यह कार्य सराहनीय है।

भवानी मंडी : शाखा के अध्यक्ष श्री प्रमोद नागौरी तथा पूरी टीम को मेहमी स्टेडियम में गणतंत्र दिवस पर जिला स्तरीय समारोह में कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र सिंह सोनी द्वारा सम्मानित एवं प्रशस्ति पत्र दिया गया। शाखा को यह सम्मान 26 जोड़े नेत्रदान तथा 53 नेत्र चिकित्सा शिविरों में 3468 नेत्र ऑपरेशन करवाने के लिए प्रदान किया गया। - बधाई भवानी मंडी शाखा

Stepping Arunacal Pradesh : After starting branches in Manipur and Nagaland, Bharat Vikas Parishad plan to start branch in Arunachal Pradesh. Shri Swadesh Ranjan Goswami has started the efforts. Incidentally a young social worker, singer and artist Mrs. Tania Yopa Toko of Itanagar visited the Central Office of BVP at Pitampura. Shri Suresh Jain National Coordinator with a media artist Shri Tarsem welcomed Mrs. Tania. She assured to start BVP branch at Itangar shortly. National Vice president Head quarter felicitated Mrs. Tania.

राजस्थान उत्तर पूर्व, भिवाड़ी : पाँचों सूत्रों का अनुपालन करते हुए सेवा सूत्र के तहत परिषद् के द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भिवाड़ी मोड पर 'नेकी की दीवार' कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि एम.एल. योगी ने दाता व ग्रहीता शब्द की सुन्दर व्याख्या प्रस्तुत करते हुए समाजपयोगी कार्य हेतु भिवाड़ी शाखा की प्रशंसा की। उक्त स्थल पर लोगों द्वारा पुराने कपड़ों को लटकाया जाएगा जहाँ से आवश्यकतानुसार कोई व्यक्ति कपड़े प्राप्त कर सकता है। पंकज अग्रवाल, जे.के. शर्मा, ब्रजमोहन, सतीश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

अलवर : स्वाती विवेकानन्द जयन्ती के उपलक्ष्य में विवेकानन्द चौक स्थित स्वामी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शहर के प्रमुख मार्गों पर 425 विद्यार्थियों के साथ रैली निकाली। वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन ओसवाल जैन स्कूल में किया गयां स्वामी जी के जीवन पर व्याख्यान व पारिवारिक सभा भी सम्पन्न की।

बहरोड़ : मकर संक्रान्ति उत्सव पर बहरोड़ शहर में 13 स्थानो पर 'गौ-सेवा' दान केन्द्र बनाये गये जिसमें राशि के अतिरिक्त 40 क्विंटल खाद्य सामग्री प्राप्त हुई जिसे तसिंगे गौशाला भिजवाई गई। कार्यक्रम में अध्यक्ष देवेन्द्र यादव, रूप किशोर गुप्ता, सत्यवीर यादव, सतीश गुप्ता, गोपाल शर्मा, अनिल दीवान आदि उपस्थित रहे।

दिल्ली मध्य, किशनगंज : शाखा के वार्षिक समारोह सहायता केन्द्र के सभागर में सम्पन्न हुआ। श्री मनोज विजयवर्गीय, श्री एस.के.वधवा (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), राजकुमार जैन, क्षेत्रीय संरक्षक भूपेन्द्र मोहन भण्डारी तथा पूर्व महापौर श्री महेश चन्द्र शर्मा उपस्थित रहे। 11 मेधावी छात्रों को श्री मनोज जिन्दल तथा अनिल शर्मा ने पुरस्कृत किया। 6 विद्यालयों के शिक्षक श्रीमती टीना, सुश्री निशा सक्सेना, आचार्य राम दत्त, डॉ. संजीव, आर.एस. गौड़, राध ारानी, नीरजा को सम्मानित किया गया। केन्द्र पर सिलाई, कढ़ाई, ब्यूटिशियन, कम्प्यूटर आदि की व्यवस्था है। सम्मान समारोह में जोगीराम जैन, संजीव मिगलानी आदि उपस्थित रहे।

ALARMING

Eminent Bangla Desi economist Dr. Abud Barkar has estimated that there will be no Hindu left in the country after 30 years. He said during 1964-2013 around 11.3 million Hindus left Bangla Desh due to persecution and discrimination. Prof. Ajoy Rai said that Govt. has grabbed the properties of Hindus during Pakistan regime. Kazi Ibadul Hugue said that minorities were deprived of their land rights. Prof. Farid Uddin said that Govt. should ensure that indigenous people would not be affected or harmed. -DNA New Delhi

कमलानगर : प्रान्त की सर्वाधिक सदस्यों वाली शाखा कमला नगर के सदस्यों में आपसी समन्वय और सामन्जस्य का कारण है। शाखा सदस्यों का सामूहिक पर्यटन। जनवरी मास में 167 सदस्यों का एक दल हांगकांग-मकाओ के पर्यटन पर गया। पूरे पर्यटन की व्यवस्था क्रोस लिक्स के डायरेक्टर विपिन चावला ने की। मकाओ के होटल 4 स्टार लैडमार्क और हांगकांग के हरबर प्लाजा में ठहरने की व्यवस्था रही। मकाओ में मैडम टूसाउ, वेनेशियन होटल, फिश एक्वेरिया, विक्टोरिया पीक, सकाई 100 टावर, ज्वैलरी फैक्ट्री ओशियन पार्क, डिजनेलैंड आदि का भ्रमण किया। विदेशी धरती पर शकाहारी भोजन का आनन्द मिला।

अध्यक्ष सत्यनारायण गोयल, जोगीराम जैन, प्रान्तीय अध्यक्ष के साथ अनेक पदाधिकारी पर्यटन में शामिल रहे। यह पर्यटन परिषद् सदस्यों में परिवार भाव बढ़ाने में सफल रहा। -सचिव शंकरलाल।

दिल्ली उत्तर, शालीमार बाग : शाखा द्वारा डी.ए.वी. स्कूल में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्द में श्री राजकुमार जैन, और संजीव मिगलानी ने बच्चों को अनुशासन और संस्कार का पालन करते हुए अपनी उपब्धियों से देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। गुरु शिष्य परमपरा भारत के विद्यार्थी जीवन की अनमोल थाती है। संजीव गखड़ ने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य, सही सोच और कठारे परिश्रम से आपका जीवन सफल हो सकता हैं 5 शिक्षकों और 3 मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। जगदीश राय जिन्दल आर.एस. अग्रवाल शाखा अध्यक्ष ने बच्चों के सफल भविष्य का आशीर्वाद दिया। प्रधानाचार्या श्रीमती राजपाल ने बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए आभार किया।

AMUL THAPER SUPREME COURT JUDGE NOMINEE IN TRUMPH'S LIST.

47 years old Amul Thaper is a district court judge for eastern Kentucky. He has taught law students of university of Cincinnati and George Town. Immediately prior to this appointment he was U.S. attorney for Kentucky. Thaper name was figured in second list of Trumph! Nomination of a Supreme Court judge. **Kudos to Thapar**.

मध्य भारत उत्तर, ग्वालियर : शाखा द्वारा बाल संस्कार के अन्तर्गत एक क्रिकेट टूर्नामेन्ट का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि एस.डी.एम. श्री महीप तेजस्वी रहे। सिद्धार्थ मॉडल स्कूल के सहयोग से आयोजित टूर्नामेंट में चार टीमों पृथ्वी, वायु, अग्नि और गगन ने भाग लिया। फाइनल मैं में कप्तान नीलेश छाबड़ा की पृथ्वी टीम विजेता रही। मैन ऑफ दी सीरीज गुरुवाशु भारद्वाज तथा वेस्ट बॉलर हर्षित जैन रहे। अध्यक्ष दिनेश शुक्ला की टीम ने व्यवस्था संभाली।

समर्पण ग्वालियर : बाल संस्कार शिविर के अन्तर्गत एक क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महीप तेजस्वी, एस.डी.एम.,ग्वालियर रहे। विनोद गर्ग, प्रान्तीय महासचिव कार्यक्रम अध्यक्ष रहे। गणतंत्र दिवस समारोह में पुरस्कार वितरण सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि ने 'खेल की परंपरा' को विशुद्ध रूप से बढ़ावा देने तथा समाज सेवा में परिषद् की भूमिका की सराहना की।

मध्य भारत दक्षिण, धार : शाखा के आतिथ्य में कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें प्रान्तीय महासचिव संजय अग्रवाल तथा स्वास्थ्य चिकित्सा प्रमुख श्री अशोक जैन ने स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन पर बल दिया। श्री रमन चढ्डा ने परिषद् के नये संविधान और नियमों को विस्तार से बताया। उन्होंने सामाजिक कार्यों में नि:स्वार्थ रूप से कार्य करने तथा समाज के पीड़ित वर्ग को सहायता पहुँचाने का आग्रह किया।

धामनोद : शाखा द्वारा गणतंत्र दिवस पर तिरंगा दिवस पर तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया। विजय नामदेव, अध्यक्ष तथा एम.एस.कुशवाहा, एन.सी.सी. ऑफीसर ने यात्रा को हरी झंडी दिखाकर चालू किया। भारत माता की झाँकी, रेडक्रांस का बैंड राष्ट्रीय धुन बजाते, कैडिट माँ नर्मदा डिग्री कॉलेज का बैंड, यूनिफर्म पहने हुए छात्र, अनूप सक्सेना के नेतृत्व में एन. एस.एस. केछात्रों का दल, गुरु कुल स्कूल का स्टाफ, सी.ई.ओ. प्रहलाद भंडारी, डाईरेक्टर ए.एल.मजूमदार, अन्वय चिकारे, प्राचार्य की उपस्थिति ने तिरंगा यात्रा को चार चाँद लगा दिये। तीन रंगों से सजी बैलगाड़ी, नागरिक, व्यापारी, महिलाएँ, बच्चे यात्रा का हिस्सा थे। दिलीप विश्वकर्मा द्वारा बनाई गई दिल्ली इन्टरनेशनल स्कूल की झांकी रोमांचक थी। संसद भवन, अशोक स्तम्भ, इंडियागेट की झांकी ने मनमोह लिया। रामलाल यादव, पावीलाल भेडा, पत्रकार, प्राचार्य वेदना पंडित, मनोरमा कुशवाहा शामिल हुई। डीजे पर राष्ट्रीय धुन, पुष्प वर्षा, नारेवाजी, देशभक्ति का जानदार माहैल बन गया। शपथ दिलाई गई। राष्ट्रगान हुआ।

मध्य भारत पश्चिम, शामगढ़ : सर्दी के मौसम को देखते हुए निर्धन, मेहनती किन्तु समाज की मुख्यधारा से विमुक्त घुम्मकड़ जाति के लोगों में उमा कमल जैन, शाखा सदस्य के विशेष सहयोग द्वारा 75 कम्बल वितरण कराया गयां परिषद् को प्रान्तीय अधिकारी मनोज जैन, विनोद काला, शाखा अध्यक्ष, बीना जैन, दुर्गा सिसोदिया, हेमलता रत्नावत, अरुण कासट आदि उपस्थित रहे।

UNSUNG HERO

Girish Bhardwaj of Manglore district is a mechanical Engineer was awarded *"PADAM SRI"* on this *Republic Day*. He has a passion to connect people of remote areas cut off by rivers and gorges. He is expert in designing and constructing low cost suspension bridges. He has constructed 127 such bridges at one tenth costs of conventional steel bridges. He charges no money for designing and constructed many bridges by his own funds. -**Kudos to Girish Bhardwaj**.

महाकौशल, घुमा : शाखा सदस्यों द्वारा निर्धन परिवारों के 40 बुजुर्गों के बीच कम्बलों का वितरण किया गयां अध्यक्ष सोरभ विश्नोई ने व्यवस्था संभाली। ग्राम राठी में प्रान्तीय अधि

कारियों ने स्कूल में गणतंत्र दिवस मनाया तथा बच्चों को साहित्य भेंट की।

हरियाणा उत्तर, कर्ण करनाल : हम भारतीय है और हमें सब त्यौहार मिल जुलकर मनाने चाहिए ऐसा संदेश दर्शन मदान, शाखा अध्यक्ष ने दिया। अवसर पर पारिवारिक लोहड़ी कार्यक्रम। 45 परिवारों ने लोहड़ी के गीत गाकर परम्परागत रूप से कार्यक्रम मनाया। विकास मेहदीरत्ता, सचिव, पंकज दुआ, कोषाध्यक्ष, रेखा खोरवर, महिला संयोजिका सहित सभी सदस्य परिवारों ने कार्यक्रम में भागीदारी की। कनिका पब्लिक स्कूल में गणतंत्र दिवस आयोजन पर परिषद् सदस्यों ने भाग लिया। बच्चों ने देशभक्ति की कविताएँ सुनाई। प्रधान दर्शन मदान ने बच्चों को बधाई दी। पंकज दुआ, रेखा खोखर, मनीषा पारूल, किरन, विधि आदि उपस्थित रही। नेजा जी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती माल्यार्पण एवं मिठाई बांटकर मनाया गया। दर्शन मदान, शाखा अध्यक्ष ने नेताजी की जीवनी पर प्रकाश डाला। उनके त्याग व बलिदान का वर्णन किया। युवाओं को नेता जी से प्रेरणा लने का आह्वान किया। इस अवसर पर विकास मेंहदीरत्ता, सचिव सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

USE SOLAR ENERGY

NSS camp of Mahila polytechnic Pratap Nagar was organized at Dhebar colony. Dr. Manju Jain is using Solar Cooker for last 35 years. Solar cooker is a boon for working women. She had cooked Dal Bati, Dal-rice, Kashi-Khichadi, Laddu and Besan ke chakki. She is roasting Kaju, groundnuts, suji and daliya. This saves fossil fuel and merriments are not lost and taste is retained. Once you eat the dish, you will always like solar cooked food. We get hot water in the night. Electronic bills are drastically reduced. She is planning a solar power station. -Dr. Manju Jain, Udaipur

घरौंडा : स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के उपलक्ष्य में प्रान्तीय युवा शिविर का आयोजन किया गया। शाखा द्वारा स्वामी विवेकानन्द जी के समाज में योगदान पर एक संगोष्ठी भी करवाई गई। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता ऋषिपाल एवं मदनलाल ने स्वामी जी के जीवन व संस्कारों से परिचय कराया। एम.पी.गुप्ता, प्रान्तीय अध्यक्ष, के.के. खुराना, प्रान्तीय महासचिव, धीरज भाटिया, नरेन्द्र राणा, रेणुका भाटिया आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। शाखा द्वारा निध्रन बच्चों को 100 जोड़ी जूतों का वितरण किया गया। समाजसेवी धूम सिंह राणा, मुख्य अतिथि ने कहा कि परिषद् के सेवा कार्य सराहनीय है। प्राचार्या श्रीमती कलावती ने परिषद् का आभार जताया। 68वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में देशभक्ति से परिपूर्ण एक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कवि एवं गीतकार सुभाष शर्मा द्वारा की गई। कवि विक्रम तथा दीपक वर्मा ने राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत अपनी कविताएँ सुनाई। शाखा के पूर्वाध्यक्ष एवं प्रान्तीय संयोजक अजय सिंगला ने भारत-पाकिस्तान पर आधारित कविता सुनाई। सुनीता वर्मा का गीत 'सारे जहाँ से अच्छा' सर्वाधिक सराहा गया। धीरज भाटिया, अध्यक्ष ने सम्मानित कवियों व गणमान्य व्यक्तियों को धन्यवाद किया।

पाडवाला करनाल : शाखा द्वारा राजकीय हाई स्कूल कुडल में ऊनी वस्त्र वितरण किया गया तथा सड़क नियमों की जानकारी दी गई। प्रधान श्री लाठर ने समाजिक दायित्व के तहत बच्चों को जर्सियाँ वितरित की तो बच्चों के चेहरे खिल उठे। प्रधानाचार्य कुलदीप सिंह ने परिषद् का आभार किया।

KUDOS TO RAKESH SHANKAR

Prant Finance Secretary of Tamilnadu is elected the president of Asian Academic Accounting Association (Indian Chapter) subsequent to Supreme Court order in the ministry of Human Resources Developed Delhi. He made us proud with his academic excellence and achievements at younger age.

हरियाणा दक्षिण, विवेकानन्द गुरुग्राम : शाखा द्वारा शीत लहर के प्रकोप से बचने के लिए मंथन स्कूल दिव्य ज्योति द्वारा संचालित सायंमकालीन स्कूल के 100 बच्चों में आर. डी.गर्ग, प्रेम लता, शारदा, अरुण अग्रवाल द्वारा जूते मोजे आदि का वितरण किये गये। संयोजिका मोनिका जी ने बताया कि नि:शुल्क सिलाई, कढ़ाई केन्द्र की देखरेख पर चर्चा की।

हरियाणा पश्चिम, हांसी : शाखा द्वारा विवेकानन्द जयन्ती, लोहड़ी, मकर संक्रान्ति पर्व शगुन गार्डन में मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान कमलेश गर्ग, अध्यक्ष ने मकर संक्रान्ति पर्व से जुड़ी जानकारियाँ उपलब्ध कराई, वहीं राजकुमार मनचंदा ने लोहड़ी पर्व। चन्द्र अरोड़ा, महिला प्रमुख ने स्वामी विवेकानन्द की जीवन, आदर्श एवं सिद्धान्तों पर चर्चा की। कार्यक्रम के दोरान पाँच नए सदस्यों को शपथ दिलाई गई।

पंजाब उत्तर, बटाला : शाखा द्वारा रसकारी प्राइमरी स्कूल में 93 बच्चों को स्कूल बैग व जूते वितरित किये गये। शिवराजन पुरी ने परिषद् द्वारा किये जा रहे सेवा कार्यो की जानकारी दी।

पंजाब पूर्व, चण्डीगढ़ पूर्व : शाखा ने सेक्टर 20 के लक्ष्मी नारायण मंदिर में आर्थिक रूप से निर्धन 7 लड़कियों का

सरल सामूहिक विवाह सम्पन्न किया। चण्डीगढ़ के वरिष्ठ डिप्टी मेयर राकेश गुप्ता और महामंत्री श्री अजय दत्ता ने नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। संयोजक ललित मोहन ने बताया कि मेजवानी की व्यवस्था अनिल कौशल ने की। शाखा का यह आठवां आयोजन है।

उत्तर बिहार, विद्यापति दरभंगा : स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर विद्यापति शाखा द्वारा कम्बल वितरण कार्यक्रम राजेश कुमार भैरोपटि के निवास स्थान पर किया गया। इस अवसर पर प्रो. भक्तिनाथ झा, डॉ. राज रंजन प्रसाद, रमन अग्रवाल, दिलीप कुमार महासेठ आदि उपस्थित रहे।

झारखण्ड, बोकारो उत्तर व दक्षिण : दोनों शाखाओं के संयुक्त तत्वावधान में सेक्टर 9सी स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के प्रांगण में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत रामाधार झा, यशपाल एवं महिमा सिंह ने अपने सारगर्भित व्याख्यानों के माध्यम से परिषद् के ध्येय पुरुष स्वामी विवेकानन्द को भावपूर्ण शब्द सुमन अर्पित कियें दोनों शाखाओं के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही।

महाराष्ट्र पश्चिम, स्वारगेट पुणे : शाखा द्वारा नगर के नामचीन्ह प्रमुख हस्तियों को सम्मानित किया गया। आदर्श व्यापारी सम्मान से बाबूलाल गूगले, कोठारी हुडई के राजेन्द्र कोठारी, पुणे मार्केट यार्ड के नामवंतकर, कास्ट अकाउटेंट श्री दीपक गुदेजा, आई.टी.पी. के पूर्व अध्यक्ष अनिल बखारिया, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. रवीन्द्र जैन, दन्त चिकित्सक, डॉ. सौरभ जी को श्रीफल तथा शॉल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रवीणभाई दोषी मुख्य संरक्षक को 81वें जन्म दिन के लिए सम्मानि किया गया। सारस बाग शाखा की स्थापना माधव जी गिरमे के प्रयास से सम्पन्न हुई।

स्वागत - सुहास एल. वाई

आजमगढ़ के जिलाधिकारी सुहास एल.वाई एशियन गेम्स पैरा ओलम्पिक बैडमिन्टन (चीन) में प्रथम स्थान प्राप्त कर देश, प्रदेश तथा जिले का नाम रोशन किया। उन्हें आजमगढ़ शाखा द्वारा अभूतपूर्व समारोह में सम्मानित किया गया। अभिभूत होकर जिलाधिकारी ने कहा कि मुझे आजमगढ़ में सब कुछ मिल गया।

Karnataka South, Kapila : The branch organized a training camp of about 90 students appearing for entrance examination, Sarvodaya School in the premises of Bharat Vikas School run by branch. M. Bharathi, Principal of the school welcomed the gathering. Prizes were distributed to the students who performed well in the model examination conducted for the purpose. Prominent members of the branch attended the event.

Vidyaranya-Bangalore : 154th Swami Vivekanand birth anniversary organised Elocution Competition for school children on 21st January, 2017.The event was held at Bharathiya Vidyalaya,Hampinagar,Bangalore. Smt. Vyshnavi Raj,Principal was Chief Guest, Shri Nagabhushan,President, Shri Vinaya Hegde, Shri Sridhar Prasad and others eminent presence were present. The participants were required to speak in ideal, thought & life of Swami Vivekanand . 23 students from different schools participated the event.

Andhra Pradesh, Rajahmundry : The branch conducted seven days Sanksrit week programme. Students took part in Competition of Shlokas of Bhagwat Gita. Secretary Phani Nagrajan explained the importance of Bhagwat Gita. A medical camp in a slum area elocution competition among college student was organized on cashless transaction. Gold transactional survey competition was organized. Last day awards were distributed to the winners. Huge number of Advocates CA 's bachers and students participated in the function. RTO mess Siri Anand gave away awards and spoke in Bhartiya Culture and Swami Vivekanand. Branch celebrated birthday of Swami Viveknand in a grand way. Local youth participated the event. The ideals of Swami ji were discussed at length. Phani Nageswara Rao, Secretary & others were prominent to grace the occasion.Vikas week programmes were organized in Kantipudi Raiva Rao schools. Shri K.B.Rama Rao was the chief guest. Students chanted Geeta shlokes. Sujata was the judge in the competition. Phani Nageshwar extended vote of thanks.

Vishakhapatnam : Branch organized GVCA at Shri Prakash Vidya Niketan. Prof. K. Vishwanadh of Andhra University attended the function as Chief Guest. Prof. C.G. Rama Rao, Shri Vasu Prakash were present to bless the students. 3 students were felicitated. Reports P.Vankateshwar Rao.

Odisha, Puri : National Yuth Day at the birth anniversary of Swami Vivekanand was celebrated

by Puri branch by offering floral tribute at the life size statues of Swami ji on the Golden beach of Puri. Malay Mishra, B.B.Das, Sanjay Kumar Mishra, Dr. Benimadhav Padhi, Supriti Rath & other eminent personalities were present there.

Telangana, Mahabubnagar : The Branch organized a painting competition on the occasion of Swami Vivekanand Jayanti on 8 Jan., 2017. 8 school and 34 students participated the event. Ronald Rose, Dist. Collector and local MLA garlanded the students of Swami Vivekanad and distributed prizes to winners of painting competition.

Assam, Karimganj : The branch observed 154th Birth Anniversary of Swami Vivekanand as National Yuth Day on 12th January, 2017. A memorial procession was organized in association with other NGOs, social and cultural organizations and distinguished citizens of the town. Mrinal Kanti Dutta, branch president garlanded the statue at Centre Bazaar. A Drawing Competition organized at Brojendra Nagar M. E. School were 63 children participated the competition.

Tezpur : Free Eye screening & Treatment of IOL / cataract surgery camp was organised on 08/01/17 at BVP. Prakalp Tezpur Branch in association with Yogda Satsang society of India. 83 patients were checked up and 41 patients were selected for IOL/Catract Surgery undertaken at Tezpur Eye Hospital Tezpur.

Silchar : Branch organised a discussion contemporary topic '**Demonetisation, Why?** at Gandhi Bhawan Auditorium, Silchar. 5 eminent personalities of the town including University Professors & Economists participated the discussion. It was followed by an interactive session with the members of the audience. The program was well attended by all section of society.

Jorhat : Branch observed 154th Birthday of Swami Vivekananda inside the campus of 'Observation Home' (Juvenile Jail), Jorhat. The inmates of the observation Home participated the programme presented of religious and patriotic songs. Arun Chandra Goswami, Jagat Jyoti Sarkar, Deepika Borgohain presented the ideals thoughts of Swami Vivekananda ji to the inmates.

Kokrajhar : Branch celebarated the 154th birth of Swami Vivekananda on 12/01/2017 at MCM Woodland English Medium High School, Kokrajhar. An extempor speech competition was orgamized wherein students from class VI to X were participated. Speech on Swami Vivekananda, his work, ideals] thoughts and messages were nicely presented by Mr. Arun Kr. Chetry, Principal. More than 130 students participated. Eminent presently of the area Prof. Biswajit Nath, Mr. Vivekanand Brahma, Amol Ch. Roy Sharda Prasad Mushahary were present.

Patherkandi : The branch organized NABIN BORAN UTSAV among the students of ATMA DARSHAN PROJECT - a permanent project of branch. 60 students were enrolled in this project wherein students are imparted to learn SANSKRIT language and GITA chanting with meaning. Certificate are also distributed to students who have passed the course. Monik Lal Deb Secretary informed that eminent personalities, large number of members and guardians were present.

Kashi Pradesh, Azamgarh : A function was organized and statue of Wasmi Vivekanand Swami Vivekanand Garlanded. Chairman of Nagar Palika Parishad enlighted the people with ideas and thoughts of Swamiji. Ashok Kumar Agrawal branch president hounor six senior citizens by garlanding them, presenting of Shawl and SHREE RAM CHARIT MANAS GRANTH Prof. Pankaj Mishra, R.P.Srivastava, Praveen Singh, R.K.Verma & others were present.

Prayag, Sultanpur : A computer room was inaugurated in Vanvasi hostel at Sultanpur. Dr. R.B. Srivastav Addl. Secy. General and Anil Baranwal secretary. It was started with the financial help of central office. A new branch at Amethi was started under the president ship of Dr. Satyendra Mishra. It is named Ayushman Shakha of Amethi. Rajeeb Ratan Bhargav. S.N.Gupta and Dr. H.C. Gupta was present.

Avadh Pradesh, Lucknow East : The branch observed *Beti Bachao - Beti Paraho*! Programme and distributed school uniforms and clothes to 32 girl students. Vikas Ratan Dr. R.N. Bhargava, S.K. Jauhari and Rajesh Malhotra were present in the function.

Punjab West, Dr. Kitchlu Ludhiyana : Langer was served at viklang centre, Rishinagar, Ludhiana. 2800 people enjoyed langer. Lohri celebration was organized where Gajak and Rewari was served to 130 family members. Cultural programme were organized like songs. Solo and folk dance. Mrs. Aruna Puri and Shri Sanjeeb Thakur Principal was the guest. Mr. Thaper delivered speech on Beti Bachao – Beti Padhao and drug addiction.

Punjab East, Sunam : Number of accidents occurred due to low visibility during winter season due to fog. An awareness campaign was lunched to city drivers about reflector stickers for vehicles in association with traffic police team. Inspector Rahul Kaushal, SHO city was present and such stickers were distributed by Praveen Garg and his team.

Chandigarh : Chandigarh is running Saksharta Project. It is a project for helping poor and needy students of Govt. Schools by providing stationery, books, uniforms, shoes etc. 500 students of 50 schools are adopted at present. This year's 550 students were given wollen sweaters by parishad. Chief Guest DPI schools Chandigarh distributed the woolen clothes. School team presented patriotic songs and a skit for the use of mobile phones. School principal Sanjay Walia made the arrangement. Shri K.L.Chauhan S.C.Wadhera, K.R. Mehrotra, Mahesh Gopla, R.K.Moudgil and C.R.Tickla welcomed our National Secretary General Shri Ajay Datta. It is to add that Shri Ajay Datta ji has been nominated in council as a nominated members for social service.

Chandigarh South : Chandigarh four branches of South Distt. Organized a Lohri function where 200 families attended the function. Patriotic songs, dance and culture programme was witnessed by Mayor Asha Jaiswal, Mrs. Heera Negi, Devesh Mudgal, Kanwar Jeet Rana and councilor G.S.Dhillon. Our National Secretary General and nominated councilor Shri Ajay Datta graced the occasion.

Maharashtra Konkan, Worli : Under "SEWA" Sutra of BVP, Worli branch has donated a drinking water cooler to Shardashram Tankrik Vidyalaya, Dadar, West Mumbai to serve children of the school. Vinod Modi, President and his team attended the function with board members of the school.

Malad :The branch distributed nutritious biscuits to the patients suffering from mal nutrition. In village Pahine Taluka, Trimbakashwar. Biscuits were distributed to expecting mothers and feeding mothers suffering from mal nutrition's. Mahesh Garg sponsored the material for distribution in the three phases. In association with Parmarth Sewa Samiti distributed cardigans rice to 150 Adivasi families. 8 toilets were constructed under 'Swaccha Bharat Abhiyan' at Rathodi Village, these were inaugerated on Republic Day by Shri Suresh Rawal, Project Concvenor. The branch had paid thanks to S.S.Gupta, mentor for his guidance and support for this noble cause.

Goa, Porvorim : Branch organised 'Sharada Vyakhanmala', Hon. Governor of Goa Mrudula Sinha was chief guest for Inaugural functioned Dr. Girish Kulkarni was Speaker on behalf of the members. you are kindly requested to published Photo in Nitti Magazine.

Delhi Central, Kamla Nagar : The branch organized a talk on women cancer. It was organized in Leelawati Vidya Mandir Sr. Sec. School Delhi. It was organized in association with B.L.K. Super specialty Hospital Delhi. Shri Jogi Ram Jain president was the chief guest. Principal Mrs. Khurana appreciated the event Mukesh Gupta media incharge of Central Office who has donated his blood for 107 times was also present.

Rajasthan South, Udaipur : At Mahila ITI Pratapnagar Udaipur on the eve of B'day of Swami Vivekanand. Dr. P.C.Jain said that girls should save themselves from higher addictive effect of Alcohal Tobacoo, Gutka, Opium and supari. In a report in facing addiction America it was mentioned that girls became addictive more quickly than boys especially for Tabcoo. Dr. Jain clarified that Alcohol showed bad of these substances because of their biological body difference. During pregnancy it may affect the child defective. Digital addiction is also increasing and showing bad effects similar to drug like cocaine. He advised to mothers to be careful about this mobile addictive. Mrs. Neeraj Nagori principal extended vote of thanks. Girls Look pledge against addition.

***

क्या वाकई भगवान हमें देख रहा है

हमारे घर के पास एक डेरी वाला है। वह डेरी वाला एकसा है कि आधा किलो घी में अगर घी 502 ग्राम तुल गया तो 2 ग्राम घी निकाल लेता था। एक बार मैं आधा किलो घी लेने गया। उसने मुझे 90 रुपये ज्यादा दिये। मैंने कुछ देर सोचा और पैसे लेकर निकल लिया। मैंने मन में सोचा कि 2-2 ग्राम से तूने जितना बचाया था बच्चू अब एक ही दिन में निकल गया। मैंने घर आकर अपनी हृहलक्ष्मी को कुछ नहीं बताया और घी दे दिया। उसने जैसे ही घी डब्बे में पलटा आधा घी बिखर गया। मुझे झट से 'बेटा चोरी का माल मोरी में' वाली कहावत याद आ गई। और साहब यकीन मानीये वो घी किचन की सिंक में ही गिरा था।

इस वाकये को कई महीने बीत गये थे। परसो शाम को मैं एक रोल लेने गया। उसने भी मुझे सत्तर रुपये ज्यादा दे दिये। मैंने मन ही मन सोचा चलो बेटा आज फिर चैक करते हैं कि क्या वाकई भगवान हमें देखता है। मैंने रोल पैक कराये और पैसे लेकर निकल लिया। आश्चर्य तब हुआ जब एक रोल अचानक रास्ते में ही गिर गया। घर पहुँचा, बचा हुआ रोल टेबल पर रखा, जूस निकालने के लिए अपना मन पसंद कांच का गिलास उठाया...अरे यह क्या गिलास हाथ से फिसल कर टूट गया। मैंने हिसाब लगाया करीब-करीब सत्तर में से साठ रुपया का नुकसान हो चुका था। मैं बड़ा अश्चर्यचकित था।

और अब सुनिये ये भगवान तो मेरे पीछे ही पड़ गया जब कल शाम को सुभिक्षा वाले ने मुझे तीस रुपये ज्यादा दे दिये। मैंने अपनी धर्म-पत्नी से पूछा क्या कहती हो एक ट्राई और मारें। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा - जी नहीं। और हमने पैसे वापस कर दिये। बाहर आकर हमारी धर्म-पत्नी जी ने कहा-वैसे एक ट्राई और मारनी चाहिए थी। बस इतना कहना था कि उन्हें एक ठोकर लगी और गिरते-गिरते बचीं।

मैं सोच में पड़ गया कि क्या वाकई भगवान हमें देख रहा है।

मनुष्यता का पाठ

प्रेरणापद घटना

पंजाब के राय साहब लाला चन्द एक नेक और ईमान्दार समाज सुधारक थे। उन्हें पता चला कि देहरादून के प्रसिद्ध कन्या गुरुकुल में छात्राओं के बौद्धिक विकास के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। उन्होंने सोचा कि क्यों न वह अपना पुस्तकों का भण्डार गुरुकुल को सौंप दें। उससे कन्याओं का भला होगा। इस संबंध में गुरुकुल के प्रमुख को एक पत्र लिख दिया। पत्र पढ़कर गुरुकुल के प्रमुख ने स्वयं वहाँ जाने का निश्चय किया। राय साहब के घर पहुँच कर उन्होंने दो तीन बार दरवाजा खटखटाया लेकिन हर ओर सन्नाटा छाया हुआ था। उन्होंने दरवाजे को धक्का दिया तो एक वृद्ध व्यक्ति सोये हुए व्यक्ति का पैर दबा रहा था। गुरुकुल प्रमुख सेवक से बोले क्या राय साहब सो रहे हैं? आपको क्या काम है। प्रमुख ने बताया कि राय साहब ने अपने पुस्तको का भण्डार देने के लिए गुरुकुल को पत्र लिखा है। आइये! मैं ही राय साहब लाल चन्द हूँ।

वृद्ध सेवक का परिचय पाकर गुरुकुल प्रमुख दंग रह गये। वह हैरानी से बोले। आप जिनके पैर दबा रहे हैं वे कौन है। राय साहब बोले-वह मेरा सेवक है। बेचारा दो दिन से बीमार है। गुरुकुल प्रमुख चौक कर बोले - तो आप अपने सेवक के पैर दबा रहे हैं। तो क्या हुआ। वह पिछले 41 वर्षो से मेरी सेवा में लगा है। आज वह अस्वस्थ है। क्या मैं उसकी सेवा नहीं कर सकता। सेवक हो या मालिक आखिर हम है तो मनुष्य ही न। एक मनुष्य के नाते बुरे वक्त में मैं दूसरे मनुष्य को कैसे छोड़ दूँ। यह सुनकर गुरुकुल प्रमुख उनके प्रति नतमस्तक हो गये।

''रिश्तो के मायाजाल में एक रिश्ता नीम के पेड़ जैसा रखनी चाहिए, सीख तो कडवी भले ही दे पर तकलीफ में ठंडी छांव तो देती ही है।''

केन्द्रीय वित्त मंत्री, भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत 2017 के बजट की प्रमुख घोषणाएँ

- **डॉ. सपना बंसल**, प्रोफैसर दिल्ली विश्वविद्यालय

केन्द्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 2017-18 का बजट पेश किया। केन्द्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने संसद में बजट पेश करते हुए कहा कि केन्द्रीय उतपाद एवं सीमा शुलक बोड्र के जरिये केन्द्र सहकारी संघवाद की भावना से समझौता किए बिना वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को लागू करने के लक्ष्य को हासिल करना जारी रखेगा।

जीएसटी लागू होने से राज्य सरकारों को अधिक कर मिल सकता है क्योंकि इससे कर का दायरा बढ़ेगा। सरकार उत्पाद एवं सेवा कर के मौजूदा ढ़ांचे में अधिक बदलाव नहीं करना पसंद किया क्योंकि इनके बदले जल्द ही जीएसटी लागू होने वाला है।

अहम मुद्दो को लेकर की गई कुछ प्रमुख घोषणाएँ। वित्तमंत्री ने इस बार आम बजट के साथ रेल बजट भी पेश किया।

इस मोड़ पर ना घबरा कर थम जाए आप
जो बात नई है उसे अपनाइए आप,
डरते हैं नई राह पर क्यों चलने से,
हम आगे-आगे चलते हैं आइए आप।

वित्त मंत्री इस शायरी से नोटबंदी की तरफ इशारा कर रहे थे। नोटबंदी से देश को वित्तीय मजबूती मिली है।

प्रमुख घोषणाएँ:-

- एक करोड़ से अधिक आय पर 15% सरचार्ज जारी।
- 2.5 से 5 लाख की आमदनी वालों पर अब 10 की जगह 5% टैक्स।
- राजनीतिक पार्टियाँ एक शख्स से सिर्फ 2000 कैश चन्दा ने सकेगी।
- 3 लाख रुपये से ज्यादा कैश लेनदेन पर रोक, ऐसे ट्रांजेक्शन डिजिटल मोड से करने होंगे।
- कैश लेनदेन में सरकार का बड़ा फैसला, 3 लाख से ज्यादा कैश में लेनदेन नहीं।
- टैक्स में मध्यम वर्ग को राहत देने का फैसला, भूमि अधिग्रहण पर मुआवजा कर मुक्त होगा।
- टैक्स में मध्यम वर्ग को राहत देने का फैसला।
- सरकारी घाटा 3.2% से कम कर 3.0% करने का लक्ष्य है।
- कुल खर्च 21.47 लाख करोड़ रुपये, रक्षा क्षेत्र पर 2.74 लाख करोड़ होगा खर्च।
- आर्थिक अपराधियों के देश से भाग जाने पर जब्त होंगी उनकी सम्पत्ति।
- कॉलेजों में प्रवेश परीक्षा के लिए राष्ट्रीय प्रवेश एजेंसी।
- बजट 2017 : चण्डीगढ़ और हरियाणा के 8 जिले केरोसीन फ्री।
- पोस्ट ऑफिस के जरिये डिजिटल योजनाएँ होंगी लागू।
- डाक घरों से पासपोर्ट बनाने का प्रस्ताव।
- आधार कार्ड से पेमेंट के लिए 20 लाख नई मशीनें आएंगी।
- महिला कल्याण के लिए 1.86 लाख करोड़ का फंड।
- गाँवों को ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।
- किसानो को 10 लाख करोड़ का कर्ज दिया जाएगा।
- भारत में नेट योजना के लिए 10 हजार करोड़ रुपये।
- ट्रेनों में कोच मित्र सेवा शुरू की जाएगी, 500 किलोमीटर नई रेल लाइन बनेगी, 7000 स्टेशन सौर ऊर्जा से जुड़ेंगे।
- पर्यटन और तीर्थ के लिए विशेष ट्रेने चलाई जाएंगी।
- साल 2020 तक मानव रहित रेलवे-क्रॉसिंग हांगी खत्म और 7 हजार स्टेशन सौर ऊर्जा से जुड़ेंगे।
- वरिष्ठ नागरिकों के लिए जीवन बीमा योजना लाएगी सरकार। ताकि मिल सके 8% का निश्चित रिटर्न।
- डॉक्टरों के लिए पीजी कोर्स में 5000 सीटों में इजाफा किया जाएगा।
- 2020 तक चेचक व 2025 तक टीबी खत्म करेंगे।
- 2019 तक एक करोड़ परिवारों को गरीबी से बाहर निताला जाएगा। 50,000 ग्राम पंचायतों को भी गरीबी मुक्त किया जाएगा।
- विश्व बैंक का अनुमर 207-18 में वृद्धि दर 7.6% तथा 2018-19 में 7.8% रहेगी।
- ग्रामीण और कृषि क्षेत्रों के लिए 1,87,223 करोड़ रुपये।
- बेघरों के लिए 2019 तक एक करोड़ घर बनाने का लक्ष्य।
- गुजरात और झारखण्ड में खुलेंगे एम्स अस्पताल, उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय प्रवेश ऐजेंसी बनाने का प्रताव।
- 100 इंडिया स्किल सेन्टर स्थापित किए जाएंगे, 5 विशेष पर्यटन जोन बनेंगे।
- 8000 करोड़ रुपये के साथ नई दुग्ध क्रान्ति की शुरूआत होगी।

INDIA OF MY DREAMS

(B- Block Janakpuri Branch organized an Essay Writing competition among schools falling in its area. The subject was India of My Dreams. The following Essay was adjudged best).

India – once the land of indescribable beauty, full of picturesque landscape, lofty mountains and life giving rivers and pure warm hearted people. Such was the treasured history of my country, my pride. Called the Golden Bird at that time it was an example of how a country should be.

But with time this beautiful country of mine started losing its charm. Many of the treasured resources as well as beautiful qualities that defined our country were no longer the same. To cap it all came the invaders – all attracted by the beauty and wealth of this country, everything started falling apart. The landscapes became dull, the rulers became merciless and cruel and the people became cunning. Then came the historic struggle against the Britishers and though they left us to rule ourselves as an independent nation, they robbed the country of our goodness and culture, they left the nation of scorched and dirty land, people with hungry stomachs and no jobs, full of corruption, poverty and deprived of its resources.

This is how our country still is even after 70 years of independence. Although it has improved a lot from its earlier state, there is still a long way to go. Even now in every city, town and village of our country, no matter how much developed they may be, still people do not have proper shelter, children who do not have schools to go and basic resources required for survival. There are youth without jobs despite being educated. There are women who do not have respect they deserve. They do not get the facilities equal to men even in their families. They are harassed by others, the strangers and even by their own people. There are places where corruption is way of life, poverty and illiteracy, lack of cleanliness and facilities and dreams of respectful life.

I want my country to get rid of all these ills and I and many like me have a dream of seeing my country become the best country to live in. Crime – petty or horrific – should be eradicated from my country, poverty should be unknown and literacy should be one hundred percent in my country. No one should go to bed empty stomach – everyone should be well fed and everyone should have a roof over his/her head. Every eligible adult should have a job of his or her choice. The country of my dreams will be one where everyone will have respect one deserves, where women should stand shoulder to shoulder with men and become pilots & officers in armed forces, scientists, sports stars. My country will have enough opportunities for everyone to achieve his/her dreams.

Such a nation should be mine. India should be a name to reckon with. In every sphere of life it should be at par and if possible, even better than any of the so-called world leaders like USA and UK. We should excel in every field of life and children who dare to dream should be able to realize their dreams. We should be able to do things to make our country proud. This can became a reality if we are willing to make the effort of realizing this dream. Collective effort with the help of the government can help us truly achieve the Right to live with dignity and respect.

I have seen this dream and have no doubt that one day we can surely achieve it.

- **Sanjana TD,** Class XII, Andhra School, Janakpuri, Delhi West

"समय, सत्ता, सम्पत्ति और शरीर; सदा साथ नहीं देते, परन्तु स्वभाव, समझदारी, सत्संग और सच्चे संबंध सदा साथ देते हैं।"

EAT HEALTHY, FEEL BETTER, LIVE LONGER!

- **Dr. Rachna Agrawal** (diatecian) Agra

That should be the slogan for women today. We the modern should not be left to be judged with the figure we possess. We need to collectively work for a fitter society rather than just a thin society. Weight a loss a part of health, should not be our only goal in life. A few golden rules followed in life could take us to a new path of success and happiness.

- **Eat breakfast** – most important for women as they tend to either delay or skip breakfast to complete the house hold cores. Take a break from work and by all means eat your wholesome breakfast by 10 am.
- **Go traditional** – avoid including crazy health foods like high fiber instant meals, biscuits, breads, smoothies, shakes in your meal. They are gimmick and loaded with harmful chemicals. Eat natural, fresh homemade food.
- **Go seasonal** – eat only what your mother nature provides you in that particular season. Apples in winters and mangoes in summers are the best to east.
- **Go local** – if it's not growing near you it's not for you!
- **Go simple** – small simple meals are best assimilated and utilized by our body. Eating a variety of foods in one go reduces the absorption levels of nutrients. Every day in our life is a celebration and it's time we learn to enjoy it with healthy tasty simple food. Food is health and health is happiness.

अर्पण-एक महाअभियान

गरीब एवं वंचित वर्ग सहायतार्थ गाजियाबाद जिले में 'अर्पण' अभियान प्रमुख अखबार दैनिक जागरण के साथ चलाया गया। इस अभियान के अन्तर्गत पुराने किन्तु साफ-सुथरे एवं प्रेस कपड़े जमा कर शहर की झुग्गी झोपड़ियों व स्लम क्लॅस्टर में वितरित करने का कार्य किया गया। दैनिक जागरण के माध्यम से खुलने वाले वस्त्र एकत्रीकरण केन्द्र की सूचना समाज को मिलती गई। भारत विकास परिषद् के सदस्यों ने एक-एक कर कुल 67 केन्द्र शहर की प्रमुख आवासीय क्षेत्रों/सोसाइटियों में खोल दिये।

मकर संक्रान्ति से गणतंत्र दिवस तक चलने वाले इस कार्यक्रम की योजना, रूपरेखा तथा दैनिक जागरण अखबार से साझेदारी का कार्य मनोज अवस्थी, सह सम्पादक ने किया। शीघ्र ही राजेन्द्र नगर, लाजपत नगर, साहिबाबाद, लोनी, मण्डोला, वैशाली, इंदिरापुरम, वसुन्धरा, मोदीनगर, राजनगर एक्टेंशन, क्रांसिग रिपब्लिक में अर्पण अभियान फैल गया।

12 दिनों में लगभग 12,500 नग वस्त्र जमा हो गए। समय-समय पर महिलाओं, बुजुर्गों सहित सभी ने स्लम, कॅल्स्टर जाकर वितरण किया। इसमें कपड़े, कम्बल, साड़ी, खिलौने आदि शामिल है।

गाजियाबाद जिले की विभिन्न शाखाओं के सदस्यों को अभियान में पिरो कर जनहित सामाजिक सेवा का कार्य संगठनात्मक दृष्टि से श्रेष्ठ रहा। दैनिक जागरण द्वारा प्रतिदिन अर्पण अभियान को फोटो सहित प्रकाशित किया गया व शहर में भारत विकास के नाम व कार्य को जनमानस तक पहुँचाया।

''खुशी एक एहसास है; जिसकी हर किसी को तलाश है। गम एक ऐसा अनुभव है; जो सबके पास है। मगर जिन्दगी तो वही जीता है; जिसको खुद पर विश्वास है।''

हमारा देश उजड़ा और वीरान क्यों?

एक बार एक हंस और हंसिनी हरिद्वार के सुरम्य वातावरण से भटकते हुए उजड़े वीरान रेगिस्तान इलाके में आ गये। हंसिनी ने कहा कि किस उजड़े इलाके में आ गये। यहाँ न जल है, न जंगल है, न ठंडी हवा है। भटकते-भटकते शाम हो गई। रात एक पेड़ के नीचे बिताने के लिए रूक गये। उस पेड़ पर एक उल्लू बैठा था। वह जोर से चिल्लाने लगा। हंसिनी ने कहा-यहाँ तो रात को भी नहीं सो सकते ये उल्लू चिल्ला रहा है। आज रात काट लों मुझे समझ आ गया कि यह इलाका वीरान क्यों हैं। ऐसे उल्लू जिस इलाके में होंगे वो उजड़ा ही रहेगा। पेड़ पर बैठा दोनों की बाते सुन रहा था।

सुबह हुई। उल्लू नीचे आया। उसने हंस से कहा-भाई मेरी वजह से आपको बहुत तकलीफ हुई। मुझे माफ़ कर देना। हंस ने कहा-कोई बात नहीं भैय्या आपका धन्यवाद। यह कह कर जैसे ही हंस अपनी हंसिनी के साथ चलने लगा। तभी पीछे से उल्लू चिल्लाया अरे मेरी पत्नी को लेकर कहाँ जा रहे हो। हंस चौका और बोला यह हंसिनी मेरी पत्नी है। मेरे साथ आई थी। अब हम जा रहे हैं। उल्लू बोला खामोश - यह मेरी पत्नी है। विवाद बढ़ गया, पूरे इलाके के लोग इक्कठे हो गये। पंच आये, पंचायत हुई। पंच किनारे हो गये और कहने लगे कि हंसिनी तो हंस की पत्नी है। लेकिन ये हंस हंसिनी थोड़ी देर में यहाँ से चले जाएगे। हमारे बीच तो उल्लू को ही रहना है। पंचों का फैसला आया कि सब बातों पर विचार कर हम इस फैसले पर पहुँचे हैं कि हंसिनी उल्लू की पत्नी है।

यह सुनते ही हंस हैरान हो गया। रोने लगा, चीखने चिल्लाने लगा। पंचायत ने गलत फैसला सुनाया। उल्लू ने मेरी पत्नी ले ली। रोते चीखते वह आगे चलने लगा। तभी उल्लू ने पुकार ऐ मित्र हंस रूको। हंस ने कहा पत्नी तो ले ली अब क्या मेरी जान लोगे। उल्लू ने कहा नहीं मित्र हंसिनी तुम्हारी पत्नी थी और तुम्हारी ही रहेगी। लेकिन कल रात जब मैं चिल्ला रहा था तब आपने कहा कि यह इलाका उजड़ा और वीरान इसलिए है क्यों कि यहाँ उल्लू रहता है। बल्कि यह वीरान इसलिए है क्यों कि यहाँ ऐसे पंच रहते हैं जो उल्लुओं के हक में फैसला देते है। कहीं हम भी अपने देश की दुर्दशा के लिए जिम्मेदार तो नहीं है उल्लुओं के पक्ष में फैसला। कब तक? -**डॉ. सुबोध वर्मा**।

भारत विकास सेवा न्यास पटना

न्यास द्वारा 1 करोड़ की लागत से निर्मित विकलांग पोलियो सर्जरी विभाग का लोकापर्ण श्री थावर चन्द गहलोत, केन्द्रीय मंत्री, श्री रविशंकर प्रसाद द्वारा किया गया। इस अवसर पर राज्य के पूर्व उपमुख्य मंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, लोकलेखा समिति, बिहार विधान सभा के सभापति श्री नन्द किशोर यादव, परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम पारीक, राष्ट्रीय महामंत्री, श्री अजय दत्ता, श्री यशपाल गुप्ता राष्ट्रीय सेवा प्रमुख, एवं सेवा को समर्पित डॉ. एस.एस. झा उपस्थित रहे। श्री गहलोत ने नई तकनीक तथा जर्मन कम्पनी ऑटोवाक के सहयोग से निर्मित आधुनिकतम कार्यशाला के निर्माण पर खुशी जाहिर की। संस्था के विकलांग मुक्त विहार के लिए केन्द्र सरकार सभी संभव सहायता देगी। उन्होंने कहा कि वर्ष में एक बार श्रवण बाधित दिव्यांगों के लिए कोकलर इमप्लांट शिविर लगाया जाए। श्री रविशंकर प्रसाद के अनुरोध पर उन्होंने केन्द्र से शिविर की संभावनाएँ ज्ञात करने के लिए अधिकारी भेजने की स्वीकृति दी। श्री प्रसाद ने कहा कि यह एक चैरिटेबल संस्था की तरह नहीं वरन पूरी विशेषज्ञता एवं संवेदनशीलता से काम करता है। उन्होंने सांसद निधि से 20 लाख तथा व्यक्तिगत 2 लाख रुपये देने की घोषणा की। नेता प्रतिपक्ष सुशील कुमार गोदी ने केन्द्र के योगदान को अतुलनीय बताया। इस केन्द्र की सेवाओं को विस्तारित करने पर बल दिया। प्रदेश सरकार दिव्यांग मित्र परियोजना में 1000/- राशि प्रति मास प्रदान करती है। विधान सभा अध्यक्ष नन्द किशोर यादव ने बताया कि निकटवर्ती 7 पंचायतों का 6 वष्र पूर्व विकलांग मुक्त किया जा चुका है। न्यास के चेयरमैन देशबन्धु गुप्ता, प्रो. बासुकी नाथ झा, विवेक माथुर, सचिव न्यास ने अतिथियों का स्वागत किया। 16 वर्षों में न्यास की उपलब्धियाँ इस प्रकार रही:- पोलियो करेक्टिव सर्जरी 6108, शल्य चिकित्सा शिविर 69, सहायता शिविर 322

''हम प्राचीन भारत की नारियों को आदर्श मानकर ही नारी का उत्थान और सशक्तिकरण कर सकते हैं।''- स्वामी विवेकानन्द

नेत्रदान जागरूकता अभियान

भारत विकास परिषद् इस वर्ष नेत्रदान जागरूकता के द्वारा दृष्टिबाधिक लोगों को दृष्टि प्रदान करने का विशेष अभियान चलाने के लिए संकल्पवद्ध है। इस हेतु प्रत्येक शाखाओं से नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम, नेत्रदान, संकल्प पत्र, नेत्र बैंक सम्पर्क, नेत्र सर्जनों से सम्पर्क करने की अपेक्षा है। शाखाओ को नेत्रदान की टीम (1-3) का गठन करने का कार्यक्रम या संकल्प पत्रों के लिए शिविर आयोजित करना चाहिए। नेत्रदान से संबंधित संक्षिप्त जानकारी निम्न है:-

1. नेत्र बाधिता को कर्निया प्रत्यारोपण द्वारा दूर किया जा सकता है।
2. मृत्यु के 6-8 घंटे के मध्य नेत्रदान कराया जा सकता है। इसमें 15 मिनट का समय लगता है। चेहरा विकृत नहीं होता। समान्य सर्जरी से नेत्रदान होता है।
3. यदि किसी ने संकल्प नहीं भरा है तो भी परिजनों की सहमति से नेत्रदान होता है।
4. एक नेत्रदान से दो या अधिक दृष्टि बाधितों की रोशनी मिलती है।
5. नेत्र बैंक में प्रभारी सदस्य को नेत्रदान सहायक के रूप में पंजीकृत करावें।

कर्निया क्या है -यह आँख की पुतली के ऊपर एक महीन झिल्ली की परत है। **कर्निया क्षतिग्रस्त क्यों होता है** - आँख में संक्रमण, चोट लगने, कुपोषण के कारण। **आँख की रेशनी कैसे वापस लाई जा सकती है** - कार्निया प्रत्यारोपण के द्वारा। **क्या इसका कोई कृत्रिम विकल्प है** - कोई कृत्रिम विकल्प नहीं है। **कौन नेत्रदान का संकल्प कर सकता है**-सभी आयु के पुरुष, स्त्री, चश्मा लगाने वाले ऑपरेशन किये लोग, मधुमेह, दमा, हृदयरोगी भी संकल्प कर सकते हैं। **क्या नेत्रदान घर पर हो सकता है** - हाँ डॉक्टर घर पर नेत्रदान कर सकते हैं। **नेत्रदान के समय क्या खर्च आता है** - यह नि:शुल्क प्रक्रिया है और कोई शुल्क नहीं लिया जाता। **संक्रमण रोगो से पीड़ित नेत्रदान नहीं कर सकते। विश्व के धार्मिक और आध्यात्मिक नेताओं ने इसे सर्वश्रेष्ठ दान माना है।**

भगवान की इच्छा होती है वही होता है-

एक बार एक सेवक भगवान से कहता है कि आप एक स्थान पर खड़े-खड़े थक गये होंगे। एक दिन के लिए मैं आपकी जगह खड़ा हो जाता हूँ। आप मेरा रूप धारण कर बाहर घूम आओं भगवान मान जाते हैं लेकिन एक शर्त रखते हैं जो भी लोग प्रार्थना करने आये तुम बस प्रार्थना सुन लेना बोलना मत। मैंने उन सब की योजना बना रखी है। सेवक मान जाता है।

सबसे पहले बिजनेस मैन आता है। भगवान मैंने एक फक्ट्री डाली है। उसे खूब सफल करना। माथा टेकते समय उसका पर्स गिर जाता है, बिना पर्स लिए चला जाता है। सेवक वेचैन हो जाता है। लेकिन शर्त की वजह से बोल नहीं सकता। फिर एक गरीब आदमी आता है। घर में खाने को कुछ नहीं है। भगवान मदद करो। तभी उसकी नज़र पर्स पर पड़ती है। उठाकर चला जाता है। भगवान का शुक्रिया अदा करता है। तीसरा व्यक्ति एक नाविक होता है। मैं 15 दिन के लिए समुद्री यात्रा पर जा रहा हूँ। यात्रा में कोई अड़चन न आये भगवान। तभी पीछे से बिजनेस पुलिस लेकर आता है और कहता है कि मेरे बाद यह नाविक आया, इसी ने मेरा पर्स लिया है। पुलिस नाविक को ले जा रही होती है तभी सेवक बोल पड़ता है। अब पुलिस गरीब आदमी को पकड़ कर ले जाती है। जेल में बंद कर देती है।

रात को भगवान आते हैं तब सेवक पूरा किस्सा सुनाता है। भगवान कहते है कि तुमने काम बनाया नहीं बिगाड़ दिया है। व्यापारी गलत धंधा करता था। अगर उसका पर्स गिर गया तो उसे फर्क नहीं पड़ता। उसके पाप ही कम होते। गरीब को पर्स मिलने से उसके बच्चों को खाना मिल जाता। रही बात नाविक की तो जिस यात्रा पर वह जा रहा थां रास्ते में तूफान आने वाला था। वह अगर जेल में रहता तो बच जाता और उसकी पत्नी विधवा नहीं होती। तुमने सब गड़बड़ कर दी।

सीख - कई बार हमें लगता है कि हमारे साथ ही ऐसा क्यो हुआ। इसके पीछे भगवान की योजना होती है। कोई समस्या आये- उदास मत होना। सोचना कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है। - **डॉ. ब्रजेश सक्सेना**, अलीगढ़

पाठक पत्र

♦ नीति पत्रिका को मासिक प्रतिवेदन से आगे बढ़ाकर पारिवारिक पत्रिका, सामाजिक पत्रिका व उत्तरोत्तर नीति दिग्दर्शक संग्रहणीय एवं प्रेरणाप्रद पत्रिका के समानान्तर हेतु आपकी सतत साधना को विनम्र अभिनन्दन एवं साधुवाद। - **दुर्गेश चन्द्र शर्मा**, रावतभाटा